



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 18, 1973 (श्रावण 27, 1895)

No. 33]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 18, 1973 (SRAVANA 27, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1973

सं० ए० 12022/3/73-प्रशासन I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न परीक्षा नियन्त्रक श्री डी० आर० कोहली को 30 जून, 1973 के पूर्वानुमान से अग्रेतर आदेश होने तक आयोग के सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा सहर्ष नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए० 12022/3/73-प्रशा० I—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर उनके कार्यकाल पूर्ण होने पर श्री राजेन्द्र लाल की सेवाएं रक्षा मन्त्रालय को सौंपी जाने के परिणामस्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न संयुक्त सचिव श्री एम० एम० टामस को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 28-5-73 से 29-6-73 तक आयोग का सचिव सहर्ष नियुक्त किया गया ।

2. सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद से परावर्तन होने पर श्री टामस 30 जून, 1973 से पूर्वानुमान से संघ लोक सेवा आयोग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्य कर रहे हैं ।

एम० आर० भागवत
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जुलाई 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के

1—196GI/73

स्थायी अधिकारी श्री ए० एन० काचरू की, राष्ट्रपति द्वारा 8-6-73 (अपराह्न) से 8-9-73 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमिति अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एस० जोशी को, राष्ट्रपति द्वारा 18-6-73 से 17-8-73 तक दो मास की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 28 जुलाई 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-1—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 32013/1/73-प्रशासन I दिनांक 28 जून, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 30 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद कुमारी एस० टी० केसवानी ने 30 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

(2605)

सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एम० एस० प्रुथी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन I दिनांक 6 जुलाई, 1973 द्वारा उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 30 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री एम० एस० प्रुथी ने 30 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एन० एस० जैन ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन I दिनांक 18 मई, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 30 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री एन० एस० जैन ने 30 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशासन I दिनांक 28 जून, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 7 जुलाई, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 7 जुलाई, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जुलाई, 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 8 जून, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 5 जुलाई, 1973 से 17 अगस्त, 1973 तक 44 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री सुन्दर लाल को, राष्ट्रपति द्वारा 5 जुलाई, 1973 से 17 अगस्त, 1973 तक 44 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 23 जुलाई 1973

सं० ए० 12025 (III)/2/72-प्रशा० III—मन्त्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० शा० सं० 5/59/72-सी० एस० (I) दिनांक 16 मार्च, 1973 के अनुसरण में कृषि मन्त्रालय (खाद्य विभाग) के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी सहायक श्री बी० एस० कर्षम को राष्ट्रपति द्वारा 12 जुलाई, 1973 से आगामी आदेश तक उसी संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 जुलाई 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० आर० वर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 13-6-73 से 28-7-73 तक 46 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चन्ना को, राष्ट्रपति द्वारा 2-6-73 से 17-7-73 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया को, राष्ट्रपति द्वारा 4-6-73 से 19-7-73 तक 46 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी, श्री जी० पी० विज को, राष्ट्रपति द्वारा 13-6-73 से 31-7-73 तक 49 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1973

सं० ओ०-2-15/69-ईस्ट०—श्री एस० टंडन उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने अपने मूल राज्य उत्तर प्रदेश में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 5 जुलाई, 1973 के अपराह्न में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के पुलिस महा निरीक्षक, सेक्टर-1, हैदराबाद के पद का कार्यभार छोड़ा।

ह० अपठनीय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक जुलाई 1973

सं० ई०-16013(2)/5/73-प्रशासन-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस सेवा के श्री अशित बरन चौधरी, ने दिनांक 21 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, अन्तर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन, कलकत्ता, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-18013(2)/11/73-प्रशासन-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री राजा श्रीधरन आई० पी० एस० (1957—मध्य प्रदेश), ने दिनांक 29 जून, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, उद्योगमण्डल, कोचीन की 7वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 38013(3)/28/73-प्रशासन-1—श्री एन० सी० सूद, सहायक कमांडेंट, ने दिनांक 1 जुलाई, 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की 14वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 8वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० ई०-38013(3)/21/73-प्रशा० I—श्री आर० सेशाद्री ने दिनांक 19 मई, 1973, के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल एम० ए० पी० पी०, कलकत्ता, की 7वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 20वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय मद्रास में होगा।

एस० एस० विष्ट,
महानिरीक्षक

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली-दिनांक जुलाई 1973

सं० पी० एफ०/एस०-870-प्रशासन-5—श्री सुभाष चन्द्र पट्टमायक, पुलिस उप-अधीक्षक, उड़ीसा पुलिस का, जो केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की भुवनेश्वर शाखा में वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, दिनांक 22-7-1973 के पूर्वाह्न को स्वर्गवास हो गया।

दिनांक 26 जुलाई 1973

सं० 7/16/71-प्रशासन-1—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री के० शोरीआह को दिनांक 10-7-73 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, विशेष पुलिस स्थापना (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो), सामान्य अपराध स्कन्ध, दिल्ली शाखा, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जुलाई 1973

सं० पी० एफ०/बी०-124/73-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री विनय भूषण बर्मन को दिनांक 2-7-73 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता शाखा में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अगस्त 1973

सं० पी० एफ०/एस०-3/73-प्रशासन-5—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री सतेन्द्र शर्कर सक्सेना को दिनांक 13 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कन्ध, बम्बई में अस्थायी रूप से लोक अभियोजक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1973

सं० पी० एफ०/डी०-76/73-प्रशासन-1—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से, श्री डी० एन० अहूजा, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश) को दिनांक 23-7-73 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग में पुलिस उपमहानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

वी० टी० शाह,
उप-निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक,

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1973

भारत के अतिरिक्त उपनियन्त्रक और महालेखा-परीक्षक (वाणिज्य) ने कार्यालय सदस्य लेखापरीक्षा मण्डल पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा देहरादून, के श्री दाल चन्द एक विभागीय अधिकारी (वाणिज्य) को अगला आदेश दिये जाने तक स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्य) के पद पर 12 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया है और उसी तिथि से कार्यालय सदस्य लेखापरीक्षा मण्डल पदेन निदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा रांची में तैनाती का आदेश दिया है।

सुशील देव भट्टाचार्य
उप-निदेशक (वाणिज्य)

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांची दिनांक 22 जुलाई 1973

महालेखाकार अपने कार्यालय के श्री सत्य नारायण प्रसाद, मौलिक (सब-स्टैंटिव) अनुभाग अधिकारी, को उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 4 मई, 1973 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक प्रोन्नत करते हैं।

महालेखाकार अपने कार्यालय के श्री रामदेव नारायण सिन्हा, मौलिक (सब-स्टैंटिव) अनुभाग अधिकारी को उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 4 मई, 1973 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक, प्रोन्नत करते हैं।

एन० पी० हरन,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 19 दिसम्बर 1972

सं० प्रशासन आर्य०/आर्य० ए० डी०/5 (115)/13—
महालेखाकार, अस्थायी लेखा अधिकारी श्री एल० एस० बाल
सुब्रह्मण्यन को दिनांक 1 सितम्बर, 1971 से माजगांव डॉक
लिमिटेड, बम्बई में स्थायी रूप से समा लेने के फलस्वरूप उनका
त्यागपत्र उसी दिनांक से स्वीकृत करते हैं।

भारत के राष्ट्रपति, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय
विभाग) के पत्र क्रमांक एस० 39020/20/71 इसी-आर्य,
दिनांक 4 नवम्बर, 1972 (प्रति संलग्न) की शर्तों पर जन सेवा
के हित में दिनांक 1 सितम्बर, 1971 से श्री एल० एस० बाल
सुब्रह्मण्यन का माजगांव डॉक लिमिटेड बम्बई में स्थायी रूप
से समा लेना मंजूर करते हैं।

राम शरण शर्मा,
वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन)

**महालेखाकार, गुजरात
अहमदाबाद का कार्यालय**

महालेखाकार, गुजरात के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य
श्री एल० ए० स्वामीनाथन को दिनांक 5 मई, 1973 के पूर्वाह्न
से अंगला आदेश मिलने तक, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद
के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने
की कृपा की है।

के० एच० छाया,
उपमहालेखाकार (प्रशासन),

**वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)**

देवास दिनांक 27 जुलाई, 1973

सं० बी० एन० पी०/ई०/स्पे०/27—श्री आर० ए० मिश्रा,
कनिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी बैंक नोट मुद्रणालय, देवास की स्थाना-
पन्न नियुक्ति, तदर्थ आधार पर दिनांक 1 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न)
से दिनांक 30 सितम्बर, 1973 तक जारी की जाती है।

आर० रामास्वामी
विशेष कर्तव्याधिकारी

**भ्रम एवं पुनर्वासि मंत्रालय
(पुनर्वासि विभाग)**

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

जैपुर-764003, दिनांक 26 जुलाई 1973

सं० पी० 3/1—श्री एम० एस० अहलुवालिया, जो दिनांक
9 जन, 1972 के अपराह्न से 9 जून, 1973 के अपराह्न तक
तदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक अभियंता नियुक्त हुए थे,
को विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर दिनांक 10 जून,

1973 के पूर्वाह्न से उपर्युक्त सहायक अभियंता के पद पर 350-
25-500-30-590-द० रो०-30-800-ब० रो०-30-830-
35-900 रुपये के वेतनमान में आर० आर० ओ० में नियमित
आधार पर पदोन्नति की जाती है और उन्हें उपर्युक्त अवधि से
दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखा गया है।

बी० पी० सक्सेना,
प्रशासन अधिकारी
वास्तु मुख्य यांत्रिक अभियंता

खान सुरक्षा महानिदेशक का कार्यालय**विज्ञप्ति**

दिनांक 28 जुलाई, 1973

(1) मुख्यालय।

सं० 9/(1) 73-प्रशासन-I/10031—धनबाद, स्थानांतरित
होने पर श्री एस० एन० रामनाथन् निदेशक, खान सुरक्षा, दक्षिणी
क्षेत्र उरगांव ने अपने उरगांव स्थित कार्यालय का पदभार 21
जनवरी, 1972 को त्याग कर छुट्टी में प्रस्थान किया और छुट्टी
की समाप्ति और पदभार ग्रहण समय का उपभोग करने के उपरान्त
श्री रामनाथन् निदेशक, खान सुरक्षा ने निदेशक खान सुरक्षा
(खान विकास) का पदभार 19 जुलाई, 1972 को ग्रहण किया।

(2) हिन्दुस्तान कोपर लि० से प्रत्यावर्तन होने तथा अर्जित
छुट्टी एवं पदभार ग्रहण समय का उपभोग करने के उपरान्त
श्री बी० एम० भट्ट, निदेशक खान सुरक्षा ने 26 मार्च, 1973
को निदेशक खान सुरक्षा, पूर्वी क्षेत्र, सीतारामपुर का पदभार
ग्रहण किया।

(3) सीतारामपुर सहक्षेत्र सं० II स्थानांतरित होने पर
श्री एच० के० राय, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने धनबाद सहक्षेत्र
सं० II का पदभार 30 जनवरी, 1973 अपराह्न को त्याग कर
अपने सीतारामपुर सहक्षेत्र सं० II कार्यालय का पदभार 7 फरवरी,
1973 को ग्रहण किया।

(4) बेलारी उपक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री पी०
बालासुब्रह्मनयम, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने दक्षिणी क्षेत्र (व्यव-
सायिक प्रशिक्षण), उरगांव स्थित कार्यालय का पदभार 24 अगस्त,
1972 अपराह्न को त्याग कर बेलारी उपक्षेत्र कार्यालय में उप-
निदेशक, खान सुरक्षा बेलारी का पदभार 2 सितम्बर, 1972 को
ग्रहण किया।

(5) दक्षिणी क्षेत्र, उरगांव स्थानांतरित होने पर श्री बाई०
सिंह, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने उरगांव सहक्षेत्र का पदभार
त्याग कर, उपनिदेशक, दक्षिणी क्षेत्र (व्यवसायिक प्रशिक्षण शाखा)
का पदभार 31 अगस्त, 1972 अपराह्न को ग्रहण किया।

(6) उरगांव सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एस०
एन० मित्र, उपनिदेशक खान सुरक्षा ने बेलारी उपक्षेत्र कार्यालय का
पदभार 31 अगस्त, 1972 पूर्वाह्न को त्याग कर उरगांव सह-
क्षेत्र कार्यालय में उपनिदेशक, खान सुरक्षा का पदभार 8 सितम्बर,
72 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(7) धनबाद सहक्षेत्र सं० III—स्थानान्तरित होने पर श्री पी० सी० श्याम उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने उपनिदेशक खान सुरक्षा रांची सहक्षेत्र का पदभार 1972 अपराह्न को त्याग कर धनबाद सहक्षेत्र सं० III 19 मई, 1972 अपराह्न को ग्रहण किया।

(8) धनबाद सहक्षेत्र सं० II—स्थानान्तरित होने पर श्री एस०एन० ठकर उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने गाजियाबाद उपनिदेशक कार्यालय का पदभार 1 जनवरी, 1973 अपराह्न को त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा, धनबाद सहक्षेत्र सं० II का पदभार 12 जनवरी, 1973 अपराह्न को ग्रहण किया।

(9) चाईबासा सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर, श्री बाई० गोपालकृष्ण, उपनिदेशक, खान सुरक्षा गोवा सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 14 नवम्बर, 1972 अपराह्न को त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा, चाईबासा सहक्षेत्र, का पदभार 23 नवम्बर, 1972 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(10) गाजियाबाद उप क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एस० प्ररोडा उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने अजमेर सहक्षेत्र से पदभार त्याग कर उपनिदेशक, गाजियाबाद का पदभार 19 फरवरी, 1973 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(11) अजमेर सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एन० एल० मेहतानी, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने सीतारामपुर सहक्षेत्र सं० II का पदभार 25 जनवरी, 1973 अपराह्न को त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा अजमेर सहक्षेत्र का पदभार 5 फरवरी, 1973 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(12) सीतारामपुर विद्युत् अंचल स्थानान्तरित होने पर श्री पी० बी० पावर, उपनिदेशक, खान सुरक्षा (विद्युत्) ने धनबाद विद्युत् अंचल का पदभार 3 फरवरी, 1973 अपराह्न को त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा (विद्युत्) सीतारामपुर विद्युत् अंचल का पदभार 7 फरवरी, 1973 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(13) गोवा सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एस०के० मुखर्जी, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने चाई बासा सहक्षेत्र से 11 अक्तूबर, 1972 अपराह्न को पदभार त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा गोवा सहक्षेत्र का पदभार 24 अक्तूबर, 1972 को ग्रहण किया।

(14) धनबाद सहक्षेत्र सं० III—स्थानान्तरित होने पर श्री जे० पी० शर्मा, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने सीतारामपुर सहक्षेत्र सं० II से 17 जुलाई, 1972 पूर्वाह्न को पदभार त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा, धनबाद सहक्षेत्र सं० III का पदभार 24 जुलाई, 1972 को ग्रहण किया।

(15) सीतारामपुर पूर्वी क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर एस० पी० चक्रवर्ती उपनिदेशक, खान सुरक्षा, ने उत्तरी क्षेत्र (व्यवसायिक प्रशिक्षण) धनबाद का पदभार 28 फरवरी, 1973 अपराह्न को त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा पूर्वी क्षेत्र सीतारामपुर का पदभार 9 मार्च, 1973 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(16) चाईबासा सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एस० अग्रवाल, सहायक निदेशक, खान सुरक्षा ने सीतारामपुर सहक्षेत्र सं० III से पदभार 30 दिसम्बर, 1972 अपराह्न को त्याग कर सहायक, निदेशक, खान सुरक्षा चाईबासा सह क्षेत्र का पदभार 9 जनवरी, 1973 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(17) रांची सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री के० बी० मजुमदार, उपनिदेशक, खान सुरक्षा ने धनबाद सहक्षेत्र सं० III से पदभार 1 जुलाई, 1972 अपराह्न को त्याग कर उपनिदेशक, खान सुरक्षा, रांची सहक्षेत्र का पदभार 10 जुलाई, 1972 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(18) कोडरमा सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० सामन्त, सहायक निदेशक, खान सुरक्षा ने चाईबासा सहक्षेत्र कार्यालय से पदभार 29 मार्च, 1973 अपराह्न को त्याग कर सहायक निदेशक, खान सुरक्षा कोडरमा सहक्षेत्र का पदभार 4 अप्रैल, 1973 अपराह्न को ग्रहण किया।

(19) सीतारामपुर सह क्षेत्र सं० III—स्थानान्तरित होने पर श्री ओम प्रकाश, सहायक, निदेशक, खान सुरक्षा ने कोडरमा-सहक्षेत्र से पदभार 1 जनवरी, 1973 पूर्वाह्न को त्याग कर सहायक निदेशक, खान सुरक्षा, सीतारामपुर सहक्षेत्र सं० III का पदभार 8 जनवरी, 1973 पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

हि० भू० घोष,
खान सुरक्षा महा-निदेशक

विदेश व्यापार मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1973

सं० 6/24/58-प्रणा० (जी०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1, के स्थायी अधिकारी, श्री बी० डी० भट्टाचार्य को, 15 मई, 1973 से 3 मास की अवधि के लिए उपर्युक्त सेवा की प्रवरण-कोटि में स्थानापन्न रूप से कार्य करने की स्वीकृति देते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री बी० डी० भट्टाचार्य को उपर्युक्त अवधि के लिए मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

एस० जी० बोस मल्लिक,
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता-2, दिनांक 30 जुलाई, 1973

सं० जुट (ए०)/147/65-II—भारत के पटसन निगम के कार्यालय में श्री पी०सी० गुप्ता प्रतिनिधि निर्वाचित होने के फल-

स्वरूप श्री डी० के० दाता, निरीक्षक को सहायक निदेशक (पटसन तकनीकी विज्ञान) का पद पर दिनांक 19 जुलाई, 1973, के पूर्वाह्न से दूसरी सूचना के समय तक के लिये निर्वाचित किया गया।

एन० के० राय,
प्रशासनिक अधिकारी,
वास्ते पटसन आयुक्त।

वस्त्र आयुक्त प्रादेशिक कार्यालय, बम्बई में, 6 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से, अगला आदेश देने तक, सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान-टेकनीकल) के पद पर सहयं नियुक्त करते हैं।

वि० मा० बसु,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1973

सं० प्र-1/42 (40) (1)—राष्ट्रपति, एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद जिस पर स्थानापन्न हैं	पद जिस पर स्थायी हैं	स्थायी होने की तारीख
1.	श्री जे० एस० पोपली (11-6-71 के अपराह्न से सेवा मुक्त)	—	उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II)	10-8-69
2.	श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति (28-8-71 के अपराह्न से सेवा मुक्त)	—	—सम—	2-2-70
3.	श्री सी० एम० रोहसगी	उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II)	—सम—	25-10-70

सं० प्र०-142(40) (II)—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों की उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के ग्रेड में स्थायी होने की तारीख को नीचे दिये अनुसार पूर्व दिनांकित करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	तारीख जिससे वे उप-निदेशक के पद पर स्थायी हैं	संशोधित तारीख जिससे उप-निदेशक के पद पर स्थायी हुए
1.	श्री एस० एन० बनर्जी	उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II)	10-2-69	31-1-69
2.	श्री एम० सिंह	—सम—	22-5-69	10-2-69
3.	श्री अरदमन सिंह	—सम—	10-8-69	22-5-69

दिनांक 3 मई 1973

सं० प्र० 1/1 (764):—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III श्री आर० पी० सिंह को दिनांक 16 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति, भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

स० वे० अनन्तनारायणन
उप-निदेशक (प्रशासन)

(पूर्ति विभाग)

(प्रशासन शाखा-6)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, दिनांक 1973

इस कार्यालय की अधिसूचना सं० प्र-6/247 (363)/62, दिनांक 25-7-73 की चौथी पंक्ति में अपराह्न की बजाय पूर्वाह्न पढ़ा जाय।

विद्या सागर
उप-निदेशक (प्रशासन)

हस्तात और खान मंत्रालय

दिनांक 25 जुलाई 1973

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 25 जुलाई 1973

सं० ए०-19011 (139)/72-सि० ए०—राष्ट्रपति, श्री अशोक कुमार को 13 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खनि विभाग में स्थानापन्न रूप में सहायक खनि-नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

ए० के० राधनाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी,
कृते नियंत्रक

कलकत्ता-13, दिनांक जुलाई 1973

सं० 2181 (एस०आर०आर०)/19बी०—श्री एस० राजा-राव, एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के रूप में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश आने तक, 24 मई, 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2181 (एस० सी० पी०)/19 बी०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ डा० एस० सी० पाण्डे को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 13-12-1972 के अपराह्न से मुक्त किया जाता है ताकि वे भारतीय खान विभाग, नागपुर में रसायनज्ञ के रूप में अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

एम० के० राय० चौधरी,
महानिदेशक

भारतीय मानव बिज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-13, दिनांक 13 दिसम्बर 1972

सं० 9-2/72/स्थापना—दक्षिण भारत मैसूर के सांख्यिक, श्री हिमांशु नाग को 27 नवम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से उन्हीं के अनुरोध पर मुख्यालय, कलकत्ता में सांख्यिकीय सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित किया गया है।

सी० टी० धामस,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 18 जुलाई 1973

सं० सी०-6/1973—श्री ए० एच० एम० शन्ड, रसायन सहायक ग्रेड-1 राजकीय अफीम व धाराभ कारखाना, गाजीपुर, को दिनांक 2 जुलाई, 1973 (पूर्०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कारखाने में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० 11/1973—स्थानान्तरण होने पर श्री वी० पी० पान्डे, सहायक रसायन परीक्षक, नवीन सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई ने दिनांक 19 जुलाई, 1973 (पूर्०) से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, दिल्ली-12, में श्री ए० एल० मेडीरत्ता, सहायक रसायन परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 के उसी प्रयोगशाला में रसायन परीक्षक ग्रेड-2 के पद पर नियुक्त होने के कारण रिक्त हुए स्थान पर उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 12/1973—स्थानान्तरण होने पर श्री जे० डी० माधुर, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, मद्रास ने दिनांक 21 जुलाई, 1973 (पूर्०) से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, दिल्ली-12 में श्री एन० पी० गुप्ता को नवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई में रसायन परीक्षक ग्रेड-2 के पद पर नियुक्त होने के कारण रिक्त हुए स्थान पर उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 18 जुलाई 1973

सं० 7/1973—श्री एस० सी० जोहरी, रसायन सहायक ग्रेड-1, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, दिल्ली-12, को दिनांक 11 जुलाई, 1973 (पूर्०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी प्रयोगशाला में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर जो कुमारी अमरजीत होरा, सहायक रसायन परीक्षक, के निधन पर रिक्त हुआ है, सामयिक (प्राविजनल) रूप से पदोन्नत किया गया है।

सं० 8/1973—स्थानान्तरण होने पर श्री राम मोहन गुप्ता, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला कलकत्ता ने दिनांक 13 जुलाई, 1973 (अ०) से केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-12 में उसी क्षमता से, श्री एल० सी० मलिक, सहायक रसायन परीक्षक जो स्थानान्तरण तथा रसायन परीक्षक ग्रेड-2 के पद पर पदोन्नत हो गए हैं, के स्थान पर कार्यभार संभाल लिया है।

वे० सा० रामनाथन,
मुख्य रसायनज्ञ,
केन्द्रीय राजस्व

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 जुलाई 1973

सं० ए०-20011/7/71-एस्ट-1—श्री बी० के० पाल चौधरी के अपने अनुरोध पर प्रदर्शनी अधिकारी के पद से प्रत्यावर्तन पर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक उन्हें 9 जुलाई, 1973 से अगले आदेश तक इस निदेशालय में वरिष्ठ कलाकार के पद पर अस्थाई रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

रोशनलाल जैन,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक: 1973

सं० 10-9/71-एडमिन-1 —राष्ट्रपति जी ने सेटल फोरेन्सिक साइंस रेजिस्ट्रार, भारत में निदेशक डा० वी० प्रभा० राव को 2 जुलाई, 1973 से आरंभित आदेशों तक केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० 11-2/73-एडमिन-1:—श्री के० सी० मिश्र ने अनुभाग अधिकारी के पद पर परावर्तन होने के फलस्वरूप 13 जुलाई, 1973 को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई, 1973

सं० 1-89/73-सी० जी० एच० एस०-1:—डा० ए० एस० साहू ने अपने त्यागपत्र स्वीकृति के फलस्वरूप 9 जुलाई, 1973 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 26 जुलाई, 1973

सं० 32-8/73-सी० जी० एच० एस०-1:—डा० आर० के० बजाज ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 9 मार्च, 1973 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 1-60/73-सी० जी० एच० एस०-1:—डा० वी० के० सचदेव ने अपने त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में 31 मई, 1973 अपराह्न को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

इन्द्र देव बहल,
उपनिदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

(काविक प्रभाग)

परमाणु ऊर्जा विभाग

बम्बई-85, दिनांक 13 जुलाई, 1973

सं० पी०-ए०/73(5)/73-आर०-4:—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, डा० (श्रीमती) मजू प्रसाद को 31 मार्च, 1973 के अपराह्न से एक साल के लिये इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न रूप में स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन,
उप प्रस्थापन अधिकारी (भ०)

रियेक्टर अनुसंधान केंद्र

कलकत्ता, दिनांक 14 जुलाई, 1973

सं० आर० आर० सी०/पी० ए०/1/71-7994 —परमाणु ऊर्जा विभाग में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त होने पर, विभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक श्री चन्द्रशेखर दीक्षित ने 8 मई, 1973 के पूर्वाह्न से रियेक्टर अनुसंधान केंद्र कलकत्ता में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एन० रवामिनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक: जुलाई, 1973

सं० ए०-12025/1/73-ई० एस०:—राष्ट्रपति ने श्री के० प्रभाकर राव को तारीख 11-6-73 पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में विभिन्न निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 28 जुलाई, 1973

सं० ए०-32013/1/73-ई० सी०:—राष्ट्रपति ने नागर विमान विभाग के श्री एस० के० चन्द्रा, तबानीकी अधिकारी को तारीख 30-6-73 पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक नियंत्रक संचार कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तबानीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक जुलाई, 1973

सं० ए०-12025/1/73-ई० एस०:—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एन० चक्रवर्ती को 2 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लाइसेंस प्राप्त इंजीनियर (श्रेणी-II राजपत्रित) के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है और उन्हें निरीक्षण कार्यालय, बैंगमपेट में तैनात किया है।

दिनांक 31 जुलाई, 1973

सं० ए०-32013/4/73-ई० सी०:—राष्ट्रपति ने श्री जी० गोविन्दास्वामी, तदर्थ सहायक निदेशक संचार को 7 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर उपनिदेशक/निदेशक संचार पद पर नियुक्त किया है और उन्हें नियंत्रक संचार बम्बई क्षेत्र, बम्बई के रूप में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/3/72-ई० सी०:—राष्ट्रपति ने श्री आई० पी० के० मेनन, संचार अधिकारी को तारीख 10-7-73 (पूर्वाह्न) से अतिरिक्त 3 मास की अवधि के लिए वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

रवामिनाथन एकाम्बरम,
उप निदेशक प्रशासन,
केंद्र महानिदेशक नागरविमानन

दिनांक 28 जुलाई, 1973

सं० ए०-32013/7/72-ई० एच०:—राष्ट्रपति ने श्री जे० सी० कार्णिक, उप निदेशक वैमानिक निरीक्षण को तारीक 16 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में कलकत्ता में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32013/7/72-ई० एच०:—राष्ट्रपति ने श्री के० एस० एम० राव, नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बंगलौर को तारीक 9 जुलाई, 1973 (अपराह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में मद्रास में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 30 जुलाई, 1973

सं० ए०-32014/3/71-ई० ए०:—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० शैख इब्राहिम, विमान क्षेत्र सहायक को 5 जुलाई, 1973 से अगले आदेश जारी होने तक रु० 350-25-500-30-590-द० रो० -30-800-द० रो०-830-35-900 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विमान-क्षेत्र अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया है। श्री इब्राहिम को मद्रास हवाई पत्तन, मद्रास में तैनात किया जाता है।

दिनांक 1 अगस्त, 1973

सं० ए०-32013/2/73-ई० ए०:—राष्ट्रपति ने श्री वी० एस० प्रभाला, सहायक विद्युत और यांत्रिक अधिकारी को 23 जुलाई, 1973 से अगले आदेश जारी होने तक रु० 700-40-1100-50/2-1250 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में विद्युत और यांत्रिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक जुलाई, 1973

सं० ई०(1) 04194:—वैधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ए० एल० भट्टाचार्य, व्यवसायिक सहायक को 5-7-1973 के पूर्वाह्न से 20-8-1973 तक सैतालीस दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० एल० भट्टाचार्य, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बासासुब्रामनियन,
मौसम विशेषज्ञ,
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

विशेष संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 28 जुलाई, 1973

सं० 1/254/73-स्था०:—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मद्रास शाखा के स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, श्री एफ० पालिअथ को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत 7-4-1973 से लेकर 14-7-1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 25 जुलाई, 1973

सं० 3-311/73-ईस्टी-II:—श्री आर० सी० बक्सी को दिनांक 23-6-1973 (पूर्वाह्न) से संग्रह अधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अस्थायी व तदर्थ आधार पर उनके मुख्यवास मद्रास के साथ नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 अगस्त, 1973

सं० 3-315/73-ईस्टी-II:—श्री एन० एस० विजर को दिनांक 30-6-1973 (पूर्वाह्न) से संग्रह अधिकारी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के अन्तर्गत अस्थायी व तदर्थ आधार पर उनके मुख्यवास रांची के साथ नियुक्त किया जाता है।

देवता पाण्डेय,
अधीक्षक अभियंता

निर्माण और आवास मंत्रालय

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई, 1973

सं० 30/12/73-ई० सी०-1:—राष्ट्रपति आपातकालीन आयोग और अल्प सेवा आयोग से छूटे हुए अधिकारियों के लिए 1971 में हुई केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में परिबीक्षाधीन नियुक्त हुए श्री डी० एन० भार्गव, सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) की 28-2-65 से सहायक कार्यपालक इंजीनियर के वेतनमान में नियुक्ति को स्थायी करते हैं।

वेद प्रकाश सरवरिया,
प्रशासन उप-निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून, 1973

सं० 1/17/69-प्रशा०-IV—इस विभाग के स्थायी वरिष्ठ वास्तुक श्री डी० जी० बधीरे बार्धक्य अर्थात् 58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 9 जून, 1973 के अपराह्न से सेवानिवृत्त होंगे।

भगवत प्रसाद पाठक,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता

बड़ौदा, दिनांक 23 जुलाई, 1973

सं० 13/एच० ओ० आई०/73-सि०—इस कार्यालय के पत्र सं० 1/13/72 सि० दिनांक 16-3-73 के अनुसरण में, श्री बी० एस० पाल ने, बड़ौदा समाहर्तालय में, उनकी हिन्दी अधिकारी के रूप में, नियुक्ति होने पर दिनांक 12-7-73 के पूर्वाह्न में कार्यभार संभाल लिया।

डी० एन० लाल,
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 28 जुलाई, 1973

सं० 11/73:—श्री एच० एस० वर्माने, जो पिछले दिनों अफीम फक्टरी, नीमच के प्रबन्धक के पद पर नियुक्त थे, दिनांक 4 जुलाई, 1973 के अपराह्न में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एकीकृत प्रभाग जबलपुर का पदभार संभाल लिया।

अधिसूचना संख्या 12-73:—श्री बरजोर्सिंह ने, जो पिछले दिनों अधीक्षक, श्रेणी I (सतर्कता) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर के पद पर नियुक्त थे, सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 16 जून, 1973 के पूर्वाह्न में, सहायक समाहर्ता (मूल्यांकन,) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

2. श्री एस० डी० खरे ने, जो पिछले दिनों अधीक्षक क्षेत्री-2 (प्राविधिक) के उत्पाद शुल्क एकीकृत प्रभाग जबलपुर के पद पर नियुक्त थे, सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त होने पर, दिनांक 16 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एकीकृत प्रभाग, उज्जैन का पदभार संभाल लिया।

आर० एन० शुक्ल,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(जल स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 30 जुलाई, 1973

सं० क०-19012/38/70-प्रशासन-5:—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रसार से श्री वाई० जानकीरमैया, सहायक इंजीनियर का 2-3-1973 से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

दिनांक 1 अगस्त 1973

सं० क-19012/366/72-प्रशासन-पांच:—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्द्वारा श्री छज्जू राम शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर दिनांक 6 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से तीन महीने की अवधि के लिए नितान्त अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री छज्जू राम शर्मा ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 2 अगस्त, 1973

सं० क-12017/1/72-प्रशासन-पांच:—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क-12017/1/70-प्रशासन-पांच दिनांक 24-1-1973 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग सर्वश्री डी० डी० सोनी तथा एस० के० चौधरी को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 1-5-73 से 31-7-1973 तक की अवधि के लिए अथवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति के पदभार ग्रहण करने तक जो भी पहले हो, नितान्त अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 अगस्त, 1973

सं० क-19012/335/72-प्रशा-5:—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रसार से श्री ए० बी० एस० प्रसाद को उनके संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने के परिणामस्वरूप उन्हें केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में 16-7-73 के पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० बी० एस० प्रसाद उपरोक्त तारीख तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परिबीक्षा पर रहेंगे।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष,
के० ज० और विद्युत आयोग

रेलवे मंत्रालय

वर्तमान पूर्व रेलवे

कलकत्ता-43, दिनांक 24 जुलाई, 1973

सं० पी०/जी०/14 डी०/2(1):—लेखा विभाग के श्रेणी-II के निम्नलिखित अधिकारियों का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त

विभाग में सहायक लेखा अधिकारी, श्रेणी-II के रूप में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से किया जा रहा है :—

नाम	पुष्टीकरण की तारीख
1. श्री बी० बी० साहा	7 मार्च, 1972
2. श्री पी० आर० चक्रवर्ती	1 जनवरी, 1973
	पी० आर० चोपड़ा, महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मयूरभंज टिम्बर एण्ड मिनेरल्स ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 24 जुलाई, 1973

सं० ए०-189/73-1061(ए०) (2):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मयूरभंज टिम्बर एण्ड मिनेरल्स ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एस० एन० गुहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़िसा

दिनांक 25 जुलाई, 1973

यतः मनुशिल्प प्रतिष्ठान लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का लाइसेन्स, लिपुरा में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है दिया गया है, और यह कि स्टेटमेंट उभ एकाउन्ट्स (विवरणियों) समापक द्वारा दिये जाने के लिए उपेक्षित है, यह क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई है,

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर मनुशिल्प प्रतिष्ठान लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

दि० से० एस० विश्वास
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वि अखंड ज्योति प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 27 जुलाई, 1973

सं० 35/560/73:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वि अखंड ज्योति प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के विषय में तथा

मद्रास आईल्स एण्ड फटिलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 27 जुलाई, 1973

सं० 1522/सी० एल०आई० न्यू०/73:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445, एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० सी० पी० न० 9 आफ 1972 में उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिए गए दिनांक 28 जुलाई, 1972 के आदेश द्वारा कम्पनी मद्रास आईल्स एण्ड फटिलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

पी० अन्नपूर्णा,
कम्पनी के सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और असोसियेटेड एजन्स एण्ड मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 28 जुलाई, 1973

सं० डी० 3692:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि असोसियेटेड एजन्स एण्ड मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

य० सत्यनारायणा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वि सिम्रेट लिटरेचर पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

दिनांक 31 जुलाई, 1973

सं० :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वि सेकरेड लिटरेचर पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह०/- अपठित
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भाईन सतग्राम कोल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 16 जुलाई, 1973

सं० 13(85) 72-73/2082-2084:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मोर्डन सतग्राम कोल कम्पनी

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दौलत राम,
कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 24 जुलाई, 1973

सं० 19(784) 72-73/2300:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बिहार प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रेसीडेन्सी टाइप फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक

सं० 3 (510) 73-74:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रेसीडेन्सी टाइप फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० पी० तायल,
कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं चिमनलाल मानचंद एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई, 1973

सं० 6211/560 (3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चिमन लाल मानचन्द एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं गल्वावायर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई, 1973

सं० 12021/560 (3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गल्वावायर इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1973

निर्देश सं० 150/72-73—यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 266 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 338 चार एकड़ और 45 सेन्ट्स, टी० एस० सं० 340 में एक एकड़ और बारह सेन्ट्स और टी० एस० सं० 340 में तीन एकड़ और 86 सेन्ट्स, पालयको है गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-II, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरितकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. टी० एस० पद्मनाब मुवालियार और उसका मैनर पुत्र बकतचंचलम और सुलोचनन, 2. वेदगिरिदासन और 3. मुखसन । (अन्तरक)

(2) 1. टी० ई० एस० पतुकुरूपानी, 2. टी० ई० एस० नैना मोहनद और 3. टी० ई० एस० कमालुत्तीन (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पालयंगोट्टै गांव में पालयंगोट्टै मुनिसिपल वार्ड सं० 3, शहर सर्वे वार्ड सं० 6, वार्ड सं० 5, टी० एस० सं० 338 में 4 एकर्स और 45 सेन्टस, टी० एस० सं० 340 में एक एकर और बारह सेन्टस और टी० एस० सं० 340 में तीन एकर्स और 86 सेन्टस का काली भूमि ।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख: 6 अगस्त 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1973

निर्देश सं० 528/72-73—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 873/1, उत्तमपुरम गांव में चार एकर्स और चालीस सेन्टस का काली भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कंबम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. मोहिदिनूर 2. सैयद अबूदहीर 3. जैजुलाप्पीन 4. नूर जहन बीबी 5. मेहरुन्निसा बीबी और 6. अलिबत्तुमा बीबी । (अन्तरक)

2. एम० सुहिलवेलुचामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया तथा है।

अनुसूची

उत्तमपुरम गांव के सर्वे सं० 873/1 में चार एकड़ और चालीस सेंट्स का काली भूमि।

के० वी० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 6 अगस्त 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1973

निर्देश सं० 355/72-73—यतः, मूझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 180, 182-B 183, 181 और 43, बीजापुरम गांव, उतुकुली शहर डाक घर

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उतुकुली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, सब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | |
|-------------------------------------|------------|
| (1) श्री वी० न० अन्कुस्वामी | (अन्तरक) |
| (2) श्री एम० करुप्पन्न और रंगस्वामी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,

जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि लगभग 15. 20½ एकड़, उत्तुकुली शहर ठाकुर वीजयपुरी गांव में सर्वे सं० 180, 182-B, 183, 181 और 43।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० सब-रजि/रायपुर/28-2-73—यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 348, रकबा 35,321 वर्ग फीट, वाई नं० 108 है, जो रायपुर-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री गयादीन पुत्र श्री सोनऊ 2. श्रीमती मंगलीन बेवा श्री सोनऊ और 3. श्रीमती गयावती पुत्री श्री सोनऊ साहू, साकिन फाफाडिह रायपुर (म० प्र०) (अन्तरक)

(2) 1. श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री बोवली और 2. श्रीरामजी भाई पुत्र श्री नाथुभाई पटेल, साकिन फाफाडिह रायपुर (म० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 348, रकबा नं० 35,321 वर्ग फीट, वार्ड नं० 108, रायपुर-1।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० सब-रजि०/रायपुर/28-2-73—यतः मुझे, बी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ख० नं० 348, रकबा 26,052 वर्ग फीट, वार्ड नं० 108, है जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री गयादीन पुत्र सोनऊ (ii) मंगतीन बिधवा सोनऊ और (iii) गयावती पुत्री सोनऊ साहू, सा० फाफाडिह, रायपुर-1 (अन्तरक)

(2) (i) श्री ना० बा० अर्जुन लाल पुत्र बोवली (ii) अरवेईभाई पुत्र लक्कूभाई (iii) ना० बा० वाडीलाल भाई पुत्र बोवली और (iv) मणि लाल पुत्र पांथा भाई पटेल सा० फाफाडिह, रायपुर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 348, रकबा 26,052 वर्ग फु०, वार्ड नं० 108, फाफाडिह, रायपुर-1 (म० प्र०)

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० III-30/अर्जन/73-74/624—अतः, मुझे, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या, जमीन का रकबा-3.28 एकड़ जो सब रजिस्ट्री आफिस, गोपालगंज, सिवान में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एम/एस विष्णु शुगर मिल प्रा० लि०, गित्लान्दर हाउस, 8 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

(2) एम/एस विष्णु इस्टेट प्रा० लि०, 21 चक्र बेरिया लेन, कलकत्ता-20

(अन्तरिति)

3—196GI/73

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 3.28 एकड़ है, जो फैक्टरी बाउंडरी के अन्दर, ग्राम खजुरिया, पो०, थाना तथा सब-रजिस्ट्री आफिस गोपालगंज, जि० सिवान में है।

जे० नाथ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 31-7-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० III-29/अर्जन/73-74/623—अतः, मुझे, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन का क्षेत्र 14.26 एकड़ है (और जिसकी संख्या है, जो सिमलटाला, मुंगेर में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-2-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ब' की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात :-

(1) श्री राम कनवर सिंगला, 138 केनिंग स्ट्रीट कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री बिहारी यादव और हेमन यादव ग्राम सियातानर थाना झाम्मा, जि० मुंगेर (बिहार) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यावाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा संपत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्वच्छीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 14-26 एकड़ डिलापिडेड गवगलोज और टाइल्ड हट्स सावलेस में साल अञ्छा फलावर और फलावर पौधे जो वेल्स नर्सरी का राजकुमार जाना जाता है, सिमलटाला, जि० मुंगेर में स्थित है ।

जे० नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 31-7-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-28/अर्जन/73-74/622—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या खेबट नं० 3, खा० नं० 45, आदि है (और जिसकी संख्या है, जो ग्राम पलांदू, रांची में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1973 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री महावीर प्र० जलान, मुकेश जलान, 12 बर्दवान रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्री सुखवीर प्र० जैन, 16 ए० डी० एल० एफ० कलोनी, रांची (बिहार) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा संपत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चाय उपजाऊ जमीन (कृषि रयती) 8 एकड़ है जिसका खेबट नं० 3, खा० नं० 45, प्लोट नं० 26/6, 112/2 ग्राम पलान्दू म० 331 थाना रांची, जि० रांची।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 31-7-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1)
के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-27/अर्जन/73-74/621—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या खेसरा नं० 17, खाता नं० 190 आदि है (और जिसकी संख्या है, जो बरगंबा, रांची में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1973 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर प्र० जलान, श्री मुकेश प्र० जलान, 12, बर्दवान रोड, कलकत्ता-27 (अन्तरक)

(2) श्रीमती चम्पा देवी, पति का नाम बिरेन्द्र नाथ मेरवर क० न० के-1-192, सहरपुरा, सिन्द्री, धनबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(कृषि रयती) चाय उपजाऊ जमीन 4.09 एकड़ जिसका खेबट नं० 17, खाता नं० 190, प्लोट नं० 294/बी०, ग्राम-बरगंवा, थाना नं० 216, जि० रांची।

ज० नाथ
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 31-7-1973

मुहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-16/अर्जन/73-74/620—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या तौजी नं० 11128, थाना नं० 343 आदि है (और जिसकी संख्या है, जो गनीपुर, थाना सदर, मुजफ्फरपुर में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा- पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गणेश प्र० सिंह, बल्द स्व० किशुन प्र० सिंह ग्राम-देवगन धारबारा, थाना-सदर मुज०, जि० मुजफ्फरपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री ठाकुर प्र० सिंह, बल्द स्व० किशुन प्र० सिंह, प्रोफेसर आर० डी० एस० कॉलेज, मुजफ्फरपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तौजी नं० 11128 थाना नं० 343, खाता नं० 152, खेसरा नं० 153/57, हो० नं० 124, सकिल नं० 3 ए महल्ला गनीपुर, थाना, सदर मुज०, जि० मुजफ्फरपुर, जमीन का रकबा-5 कट्टा।

जे० नाथ
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 31-7-1973

मुहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-25/अर्जन/73-74/619—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या खा० नं० 56,56 ए, प्लॉट नं० 736 है (और जिसकी संख्या है, जो ग्राम-पकरी, थाना आरा में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मो० अरनयाजी वल्द मो० मयूम ग्राम-पकड़ीपुर, थाना-आरा, जि० भोजपुर। (अन्तरक)

(2) श्री गोपालेश्वर सिंह, वल्द श्री भगवान सहाय सिंह, ग्राम सिधाइयपुर, थाना तरारी, जि० भोजपुर। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा—2 कट्टा, खाता नं० 56, 56 ए० प्लॉट नं० 736, बार्ड नं० 12, हो० नं० 375 ए, थाना नं० 236 ग्राम पकरी, थाना आरा, जि० भोजपुर।

ज० नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 31-7-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

निदेशक सं० एम० एस० आर०/324/73-73

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देशक सं० एम० एस० आर०/324/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन खसरा नं० 1570/26 मिल बंसर नजदीक जहाज पुल है जो हिसार में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नोरंग राव पुत्र श्री लेख राम अग्रवाल 1/0 गांव और डाकखाना, बुदाक तहिल और जिला हिसार। (अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री भगवान दास करयाना मरचैन्ट
बजार गोविन्दगढ़ हिसार

(ii) श्रीमती मिलापी बाई विधवा गंजा मल c/o श्री
लछमन दास बजाज, आर्य बजार हिसार

(iii) श्रीमती ईश्वर देवी पत्नी श्री नोतन दास
दुकान नं० 18 राज गुरु मारकिट हिसार

(iv) श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री तरलोक चन्द मुहल्ला
आयरन, हिसार (आर्य बजार, हिसार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 1250 वर्ग गज खसरा नं० 1579/26 मिन वैसर
नजदीक जहाज फूल हिसार।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-7-1973

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

कार्यालय :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी०

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० बी० जी० आर०/482/73-74—यत्, मुझे
श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० डी-11 सामने
नेहरू गारडन है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

यत्: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री सोहन लाल पुत्र श्री बराह
निवास, चन्द्र नगर सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती राम कृती पत्नी श्री वर्मा नंद, 3745, गली बारना, सदर बाजार दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी०-11 सामने नेहरू गारडन फरीदाबाद

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-7-1973

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

तारीख 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० बी० जी० आर०/485/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 31-बी एन० आई० टी० है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्रीमती बीना विजये कुमार पत्नी श्रीविजय कुमार 46-ए, फरैडज कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० पीन कोरड़ इन्डस्ट्रीज 31-बी फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 31-बी एन आई० टी० फरीदाबाद।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 31 जुलाई 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

कार्यालय :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सेंक्टर 9-बी

तारीख 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० बी० जी० आर०/486/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 18, मकान नं० 3 (एन०आई०टी०) ब्लॉक 'बी' है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य 4—196GI/73

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कृष्ण लाल नोरंग पुत्र डा० जी० डी० नोरंग (ii) बीना नोरंग पत्नी कृष्ण लाल नोरंग हुगली नदी, सेख पोस्ट कमिश्नर आफिस, 15-सन्टरेट रोड कलकत्ता थरु श्री गुलशन राय नोरंग, (अन्तरक)

(2) हजारी लाल पुत्र श्री बाशुराम, 3-जी/69 एन. आई. टी. फरीदाबाद. (ii) श्री बाशदेव पट्टजा पुत्र श्री हेमा राम 3-जी/69 एन० आई० टी० फरीदाबाद (iii) श्री टेकचन्द पुत्र श्री सूखू राम 3-जी/34 एन० आई० टी० फरीदाबाद (iv) श्री सुभाष चन्दर पुत्र श्री खेम चन्द 3-जी/69 एन० आई० टी०, फरीदाबाद (v) श्री हबीब, पुत्र श्री मुनसी 3-जी/34 एन० आई० टी० फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है या सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी प्लॉट नं० 18, नजदीक नं० 3 ब्लॉक 'बी' एन० आई० टी० फरीदाबाद।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख: 31 जुलाई 1973

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
वित्त मन्त्रालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
156' सैक्टर 9-बी,
दिनांक 1-8-1973

निर्देश सं० बी० जी० आर/487/73-74—यतः मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 65 ऋषी नगर है जो बल्बगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल

से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती सुरिता अभीचादनी पत्नी भगवान दास अभीचादनी मुहल्ला धर्मपुरा बहादुरगढ़ जिला रोहतक (अन्तरक)

(2) सीतादेवी पत्नी श्री अमर नाथ 17/273, जवाहर नगर, पलवल जिला गुडगावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा पारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-65 ऋषी नगर बल्लबगढ़ जिला गुडगावां
जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 अगस्त 1973

मोहर :

प्रसू आर्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
(वित्त मंत्रालय)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़, 156, सैक्टर-9-बी,

चण्डीगढ़ दिनांक : 31 जुलाई 1973

सं० बी० जी० आर०/488/73-74—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3 सैक्टर 3 ब्लॉक 'ई' है जो एन० आर्ई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) (i) श्री केवल कृष्ण, श्री बुपेश चन्द्र पुत्र श्री करतार चन्द मकान नं० एक्स-बी-2116, गली नं० 4 मुलतानी ढाना पहाड़गज नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) उषा कोहली पत्नी श्री चरन लाल 3278, रणजीत नगर नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, सैक्टर 3, ब्लॉक 'ई' एन आई० टी० फरीदाबाद

जी० पी० सिंह,

सहम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई बम्बईगढ़

तारीख : 31 जुलाई 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

एक्यूजीसन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 6 अगस्त 73

निर्देश सं० टी० आर० 408/सी-132/कल-1/72-73/आर० एस० सी० (एक्यू) रें० 1/कल० —यतः मुझे, एस०के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सहम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 17 है, जो डमजेम लेन, कलकत्ता-12, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज नं० 5, सरकारी भवन (उत्तर), कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्ष्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हाफिज मोहम्मद सुलेमान (अन्तरक)
2. (1) श्री मोहम्मद हाफीज उल्ला, (2) असफाक अहमद और (3) मुमताज अहमद, (अन्तरिती)
3. व्यक्ति जो सम्पत्ति पर काबिज हैं :—
 1. हाजी महोम्मद हाफीज उल्ला साहिब
 2. हाजी अब्दुल मन्नान
 3. मोहम्मद मुरसलीन
 4. मि० अब्दुल गनी
 5. मैसर्स नाथू माई औधवजी एण्ड को०
 6. मोहम्मद अब्दुल हद्द
 7. अशरफ अली
 8. एस० एम० मोहीउद्दीन
 9. निसार अहमद
 10. हाजी अब्दुल जब्बार साहिब
 11. शेख महोमाद इदरीस
 12. नजीर अहमद साहिब
 13. अब्दुल रजाक
 14. अनवरुल हर लारी साहिब
 15. मोहम्मद शमीम इराक
 16. सधीर अहमद
 17. मोहमाद हसन
 18. हाजीर मुनीर हसन साहिब
 19. मोहम्मद यूनीस साहिब
 20. एम० ए० कादिर
 21. मोहम्मद यहाया साहिब
 22. सैयद बुल्लत चौधरी
 23. मोहम्मद नूरउद्दीन अंसारी

4. शेख महोम्मद जान इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड—वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 17, उमजेन लेन, कलकत्ता-12 का, जो कि पांच मंजिल भवन 10 कोट्टाज 13 चौड़ाकरा भूमि पर है, समस्त भाग।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पी-13 श्वैरंगी स्वयंवर, कलकत्ता

तारीख
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-42/19-8/72-73 —यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 183/2 है, जो रावेर, चोरासी तालुका, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मे० रतिलाल जे० एण्ड सन्स, विमनलाल रतिलाल मारफतिया प्रकाशचन्द्र विमनलाल मारफतिया (अन्तरक)

2. श्री मे० सत्यनारायण एकशीबिर्त्स देवाभाई मकन भाई नाविक, बालीबेन गोविन्द भाई लालीबेन लक्ष्मण भाई, (अवयस्क) प्रदीपकुमार रतिलाल मुकेश चन्द्र रतिलाल, भरत-कुमार रतिलाल गा—मंजुलाबेन रतिलाल (अन्तरिती)

3. श्री सतीश चीमनलाल शाह (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 183/2 3890 स्क्वे० या० जमीन 1050 स्क्वे०
या० बांधकाम थियेटर रूपाली लांदेर, सूरत।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद।

तारीख 6-8-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269
घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-4/19-8/II/72-73—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6/546 है, जो गलेमंदी मोटी शेरी सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट

नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरिलाल डाया भाई बाबु भाई डाया भाई चंपकलाल सोमाभाई, शांताबेन उर्फ जयाबेन (अन्तरक)

2. हस्मुखलाल सोमा भाई, शांताबेन उर्फ जयाबेन हस्मुखलाल, शांताबेन साकरलाल अवयस्क—हरीहर साकर लाल गा—हस्मुखलाल सो० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/546, गलेमंदी मोटी शेरी, सूरत

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई 1973

सं० बी० जी० आर०/493/73-74-यतः, मुझे डी० पी० सिंह सहायक आयकर अधिनियम आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 41 से 46-सी, ब्लॉक के० नं० 2 है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरीदाबाद को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कृष्णा देवी विधवा श्री राम चन्द्र मोटवानी
1452, लम्बी गली रंग महल दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री जया नन्द पुत्र श्री होला राम C/o M/s
यूनियन हाजिरी हाउस 5305 गांधी मार्केट सदर
बाजार दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा :

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 46-6 और 41 ब्लॉक नं० 'के०' पड़ोसी नं० 2
एन० आई० टी० फरीदाबाद ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 31 जुलाई 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दें)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मंत्रालय

कार्यालय :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 31 जुलाई 1973

सं० बी० जी० आर०/484/73-74—यतः मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितबाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 फूट गार्डन कालोनी जो फरीदाबाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्बगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्त के (अन्तरको) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया या ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल चन्द पुत्र श्री देवी दास 53/50
राम रस रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री हरीश चन्द्र भरोड़ा पुत्र श्री कहविन्दा राम
भरोड़ा, जी० बलाक, मकान नं० 206 सैक्टर 3,
फरीदाबाद एन० आई० टी०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, फूट गार्डन कालोनी फरीदाबाद एन० आई० टी०

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-7-1973

मोहर :

प्ररूप आर्डी टी० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई 1973

निदेश सं० एच० एस० आर०/493/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान-कम-शाप नं० 64, है जो उकलाना मन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अणुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री गंगा साहू, पुत्र श्री राजा राम (ii) रमेश्वर दास (iii) श्री केशरी लाल (iv) श्री शाम लाल पुत्र श्री गंगा विशन गांव निहला तहसील फतेहवादा जिला हिसार। (v) श्री चवल दास (vi) श्री परस राम (vii) श्री दयावर दास पुत्र श्री राम चन्द्र गांव निहला तहसील फतेहवादा (हिसार) (अन्तरक)

5—196GI/73

- (2) (i) श्री केशव अश्व पुत्र श्री किशोरी लाल (ii) श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री चविल दास (iii) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चविल दास, C/o M/s किशोरी लाल चविल दास उकलाना मन्डी जिला हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान कम शाप नं० 64, उकलाना मन्डी हिसार

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-7-73

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

156, सैक्टर 9-वीं अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई 1973

निवेश सं० एच० एस० आर०/496/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन, खसरा नं० 1579/26 मिन बैसर जहाज पुल नजदीक है जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लीला धर पुत्र लाला नोरंग राय भांय व डाक खाना धुरका तहसील और जिला हिसार। (अन्तरित)

(2) श्रीमती तुलसी देवी पत्नी अ. करन दास C/o मनोहर कलाथ हाऊस, 64, राजगुरु मारफिट हिसार (ii) श्री धितरु राम पुत्र श्री मुखी जया नंद मुहल्ला राज गढ़, गांधी चौक, हिसार (iii) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी टेवा चन्द मुहल्ला उदेपुरी भन C/o रमेश कुमार कलाथ मरचैन्ट मोती बजार, हिसार (iv) श्रीमती तरीथन देवी पत्नी श्री नार्मीता राम नजदीक जहाज पुल दुकान नं० 38 राजगुरु मारफिट हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा जिसकी मिन्ती 1250 वर्ग गज, खसरा नं० 1579/26 मिन बैसर हिसार, नजदीक जहाज पुल हिसार।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-7-1973

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

156, सैक्टर 9-बी अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जुलाई 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/76/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान न० 2769 सैक्टर 22-सी० है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जसपाल सिंह पुत्र श्री केहर सिंह मकान न० 11-एफ/12 सैक्टर 23-ए चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) (i) श्री सुरजीत सिंह पुत्र लखमन सिंह (ii) श्री रणवीरसिंह पुत्र श्री दीवान सिंह मकान न० 3100, सैक्टर 22-डी० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 2769, सैक्टर 22-सी० चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27 जुलाई 1973

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

156, सैक्टर 9-बी अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जुलाई 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/109/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 2290, सैक्टर 35—सी०, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुखदेव सिंह पुत्र सरदार शेर सिंह सूट नं० 42, 925—बेली गली, बेरिजिज ओन टीरीओ कनेक्षा मारफत जरनल अटोरनी श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सरबन सिंह, मकान नं० 136, सैक्टर 8—ए चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री गुनधीराम पुत्र श्री गरवारी राम R Q नं० 671, सैक्टर—16—डी० चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2290, सैक्टर 35—सी० चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 27 जुलाई 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय

कार्यालय :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9—बी

चण्डीगढ़, दिनांक 1 अगस्त 1973

निवेश सं० बी०जी०आर०/217/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन, रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या कोठी नं० ए०-2, एन० एच० नं० 5, एन० आई० टी० है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सवीता मोटा पत्नी श्री हिरंद नाथ, ई०-17-ए०, इसिट आफ कैलाश, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स दिल्ली कथोलिक आरचडायोसिस आरच बाइशप हाऊस, अम्बसेडर पलेस नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० ए०-2, नजदीक कोठी नं० 5, एन० आई० टी०, फरीदाबाद।

दिनांक: 1-8-1973

(जी० पी० सिंह)

मोहर :

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

आयकर नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चंडीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 1 अगस्त 1973

निदेश सं० बी०जी०आर०/541/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या कोठी नं० ए०-2, एन० एच० नं० 5, एन० आई० टी० है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 30) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) अच० एन० मोटा, पुत्र श्री डी० एन० मोटा,
ई०/17-, इसिट आफ केलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) मै० दिल्ली कथोलिक आरचडायोसिस आफ वाइशप
हाउस, अल्फजन्दर पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही

अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० ए०-2, नजदीक की कोठी नं० 5 एन० आई० टी०, फरीदाबाद।

तिथि 1-8-1973

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चंडीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षण सहायक आय-कर आयुक्त

अर्जन-रेंज, आयकर भवन, महर्षि कर्षे मार्ग

बम्बई-20

बम्बई 20, दिनांक 28 जुलाई 1973

निदेश सं० अ० ई० 2/266/378/72-73—यतः, मुझे नं० द० अन्जारिया नि० सं० आ० अ० ई०-2, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एन० 61, हिस्सा सं० 1 (अंश) है, जो गवाणपाडा मुलुंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसा अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भिवा धर्मा बैती और श्री भिमा भिवा बैती, नवघर व्हिलेज, मुलुंड (पूर्व), बम्बई। (अन्तरक)
- (2) मुलुंड नीलवमल को० ओप० हाऊ सो० लि० से० सं० 61, हिस्सा सं० 1 (अंश) नवघरपाड़ा व्हिलेज, मुमुण्ड (पूर्व) बम्बई। (अन्तरिती)
- (3) भगवान दामाजी बैती (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेपों, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिला में गायनपाड़ा मुलुंड में स्थित है मापसे 1387 वर्ग गज या 1155.83 वर्गमीटर के समक्षण है तथा सर्वेक्षण सं० 61 हिस्सा सं० 1 का भाग है और जो उत्तर में या ओर सर्वेक्षण सं० 362 दक्षिण में या ओर सर्वेक्षण सं० 61 हिस्सा सं० 1 का भाग, पूर्व में या ओर सर्वेक्षण सं० 61 और पश्चिम में या ओर प्लॉट सं० 5 से घिरा हुआ है।

न० द० अन्जारीया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 28 जुलाई 1973

अर्जन, रेंज, बम्बई

मोहर :

प्रथम भाई० टी० एन० एम्०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) का कार्यालय,

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० सब० राजि/रायपुर/28-2-73—यतः मुझे, ह्री० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 348 रकबा 24726 व कु० बार्ड नं० 108 है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर (सं० प्र०) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत चिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषय, इस कारण को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री गयादीन पुत्र सोनऊ
 - (ii) श्री मंगतीन विधवा (सोनऊ)
 - (iii) श्रीमती गयाबती पुत्री सोनऊ सहू
- स्था० फाफाडिह, रायपुर। (अन्तरक)

(2) (i) श्री सा० बा० मणिमल वल्लभ ओ० धली

(ii) करमन भाई वल्लभ किसरामभाई सा० काकाडिह
रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसे आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 348, रकबा 24,726 वर्ग फु० वर्ड नं० 108
सा० काकाडिह, रायपुर।

वही० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-7-1973

भोहर :

प्रखण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० सब० रजि/रायपुर/28-2-73—यतः मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ख० नं० 348 रकबा 25,544 वर्ग फु० वर्ड नं० 108 है जो, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) गयादीन वल्लभ सोनऊ
- (ii) मंगतीय बेवा सोनऊ
- (iii) गयाबती पुत्री सोनऊ साहू सा० काकाडिह रायपुर-1। (अन्तरक)
- (2) श्री लालजी भाई पुत्र विसरामभाई सा० काकाडिह रायपुर-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है या सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 348 रकबा 25,544 ब० कु० बार्ड नं० 108
सा० फाफाडिया, गयपुर-1।

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-7-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 1 अगस्त 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/ग्वालियर/15-2-73—यतः, मुझे, ह्वी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जालिम सिंह का बाडा दहीमंडी, दोलतगंज है, जो लश्कर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेखा के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, का निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सी० मालती देवी छाजेड पत्नी श्री सुन्दर मल जी छाजेड जैन, निवासी चिरगनस की गांठ, माधोगंज लश्कर ग्वालियर-1। (अन्तरक)
- (2) श्री जिनेश्वरदायाल जैन पुत्र श्री बुद्धीलाल जी उर्फ बाबू राम जी जैन निवासी मा० परगना गोहद जिला भिड (म० प्र०) (अन्तरिती)

पांच किरायेदारान बिक्री पत्र (वह व्यक्ति, जिसके मुताबिक अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि में जो भी अवधि बाद, समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग मकान स्थित जालिम सिंह का बाड़ा दहीमण्डी दौलत गंज, लखनऊ नि० नं० 31,521 पुरक में रास्ता आम निगम, पश्चिम में मकान काशीनाथजी उत्तर में मकान बल्देवा कोरी, दक्षिण में शेष भाग मकान बाड़ा लखमीचंद जी छाजेड़।

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 1-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) का कार्यालय
भोपाल, दिनांक 2 अगस्त 1973

निर्देश सं० सब० रजि०/ भोपाल/15-2-73—
यतः मुझे, ह्री० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मा० नं० सी० विधिविहार वानगंगा है, जो भोपाल सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-2-73 को पूर्वांश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नूरफातिमाशरीफ सा० ई० 3/49 सी० अरेरा कालोनी, भोपाल-6 (अन्तरक)
2. मैसर्स अनादि प्रकाशन, 607 कटरा, इलाहाबाद (उ० प्र०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 9 जो कि विद्याविहार वानगंगा, भोपाल सिटी में स्थित है।

माप 112' 96' × 3' सी 9

----- × -----
91' 103

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 2-8-1973

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आय-कर आयुक्त, (निरीक्षण) का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/104-1/73-74/एक्यू० (बी)—यतः मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3/21 है, जो मिल्लर स्यांक बन्ड रोड, बैंगलूर (इमारत का पहला मंजिला) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गिवाजी नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्रीमती वेदवती

(ii) श्री मल्लिकार्जुन, नं० 8, VIII क्रॉस, वसन्तनगर, बैंगलूर (अन्तरक)

2, श्री एस० लोकेश पुत्र जी० ए० शनमुगम, नं० 4, बन्सवाडी रोड, बैंगलूर-5। (अन्तरिती)

3. मैसर्स एलाजी एक्विपमेन्ट (पी) लिमिटेड।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3/21 (पहला मज्जिला), मिल्लर स्यांक बन्ड रोड, बैंगलूर ।

बी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख : 30-7-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/873/72-73/एसीव्यू० (बी०)-यतः, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3/21 (ग्राउंड फ्लोर) है, जो मिल्लर स्यांक बन्ड रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के

लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) वेदवती

(ii) श्री मल्लिकार्जुन, नं० 8, VIII क्रॉस, वसन्तनगर, बैंगलूर । (अन्तरक)

2. श्री नागेन्द्रन, मैनर ब्रै गाडियन श्री जी० ए० शनमुगन नं० 4, बनसवाडी रोड, बैंगलूर-5 । (अन्तरिती)

3. श्री बी० तिलक हेगडे एडवोकेट ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3/21 (ग्राउंड फ्लोर) मिल्लर स्यांक बन्ड रोड, बैंगलूर ।

बी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 30-1-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

बैंगलूर दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/692/72-73/एम्क्यू०(बी०)---यत, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० खुली जगह न० 4/बी, है, जो बी० पी० वाडिया रोड, बसवनगुडि बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमरो बचने के लिए मुकर बनाना, आग/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने के लिए मुकर बनाना,

और यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के, अध्याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने का कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1 श्री एन० ब्रन्गी देव, 25/1, ग्राट रोड, बैंगलूर-1।

(अन्तरक)

2 श्री रघुनन्दन प्रसाद मित्तल, 35, सर्वेयर स्ट्रीट, बसवनगुडि, बैंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह मुनिसिपल न० 4/B, बी० पी० वाडिया रोड बसवनगुडि, बैंगलूर-4।

बी० माधवन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 31-7-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बैंगलूर, दिनांक 3 अगस्त 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/1090/एम्क्यू (बी)---यत मुझे,

बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जगह 45 फीट पर 75 फीट नं० 4ए०, है जो बी० पी० वाडिया रोड, बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिभों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० आर० नागराज राव 25/1, ग्रांट रोड, बंगलूर । (अन्तरक)

2. श्री जे० टी० विष्वनाथन, नं० 8, पुलिस स्टेशन रोड, बसवनगुडि, बंगलूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 4/ए०, बी० पी० वाडिया रोड, बंगलूर, जिसकी सीमा 45 फीट पर 75 फीट है।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 3-8-1973 अर्जन रेंज, बंगलूर
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

बंगलूर कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 31 जुलाई 1973

सं० सी० आर० 62/693/72-73/एक्यू० (बी०) —यतः, मुझे, बी० माधवन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जगह नं० 4/सी० है, जो बी० पी० वाडिया रोड, बसवनगुडि, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-

कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० रमैत देव, 25/1, ग्रांट रोड, बैंगलूर-1

अन्तरक

2. श्री वी० के० त्यागराजन, 267, XI क्रॉस, विलसन गार्डन, बैंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,

यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 4/सी०, बी० पी० वाडिया रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4 (सीमा 75 फीट पर 50 फीट)।

मोहर

तारीख 31-7-73।

बी० माधवन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

प्ररूप आई टी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त)

(निरीक्षक) कार्यालय अर्जन विभाग

नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 जुलाई 1973

निर्देश सं० यतः मुझे, एस० एस० राय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और गृहसंपत्ति नमूल सिट नं० 46/प्लॉट नं० 180/38 जो राजा पेठ अमरावती (गुजरातर राज्य) में है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-4-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर

देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्री मनोजकुमार ताराचन्द मुनोस (ना बालिका)
(संरक्षक) ताराचन्द धनराज मुनोस (अन्तरक)
- 2 श्री वी० पी० जोषडे और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृहसम्पत्ती नमूल सिट नं० 46/प्लॉट नं० 180/38 जो राजापेठ, अमरावती (महाराष्ट्र राज्य) में है।

एस० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक : 26-7-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन विभाग, नागपुर)

नागपुर, दिनांक 27 जुलाई 1973

यतः मुझे, एस० एस० राय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और 5 एकड़ मुक्त अधिकृत भूमि (फ्री होल्ड) खसरा नं० 107/56 बी०, स्थित चांदा मूल रोड मछली नाले के पास चंद्रपुर (महाराष्ट्र राज्य) (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंद्रपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-3-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरक के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्री जयराज सिंह जगबहादुरसिंह ठाकुर (अन्तरक)
- 2 (1) श्री दिनकर विठ्ठलराव दुधालकर
(2) श्री नारायणराव मारोतीराव श्रावण
(3) श्री मनिराम फकीरजी कामले
(4) श्री पांडुरंग जगन्नाथ खोके
(5) श्री प्रभाकर मारोतीराव पेठकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 एकड़ मुक्त अधिभूत भूमि (फ्री होल्ड) खसरा नं० 107/56 बी०, चांदा मूल रोड पर स्टेट बैंक कर्मचारी क्वार्टर के पीछे जो मछली ताले पर चन्द्रपुर (महाराष्ट्र राज्य) में स्थित है।

एस० एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
दिनांक : 27-7-1973 अर्जन रेंज, नागपुर
मोहर:

7—196G1/73

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त 1973

निदेश नं० ए०एस०आर०/ए०पी०-118/73-74/970—
यतः मुझे एच० एस० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी नं० 1/2 बंगला नं० 6, मकबूल रोड अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3165 फरवरी 1973 में लिखा है जो मकबूल रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री चमन लाल मुपुत्र श्री गोवर्धन दास
बंगला नं० 6, मकबूल रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता रानी पत्नी श्री सुरिन्द्र नाथ
ग्रांड फाउन्ड्री, बटाला। (अन्तरिती)
- (3) श्रीमति सुनीता रानी पत्नी श्री सुरिन्द्र नाथ
ग्रांड फाउन्ड्री, बटाला।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 बंगला नं०-6, मकबूल रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3165 फरवरी 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है।

दिनांक : 2-8-1973

मोहर :

एच० एस० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 2 अगस्त 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/जुलाई/ए० पी०-125/73-74/976—यतः मुझे एच० एस० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 525 आर०, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8675 फरवरी, 1973 में लिखा है, जो भाडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेजर अजीत सिंह सपुत्र श्री शिव सिंह जालन्धर छावनी। (अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कपूर सपुत्र सेठ नन्धू शाह मार्फत मैसर्स नाडू शाह कपूर एण्ड सन्ज, नजदीक दुमारिया ब्रिज, जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

(3) श्री कृष्ण कपूर सपुत्र सेठ नन्धू शाह मार्फत मैसर्स नाडू शाह कपूर एण्ड सन्ज, नजदीक दुमारिया ब्रिज, जालन्धर शहर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8675 फरवरी, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

तारीख : 2-8-1973

मोहर :

एच० एस० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/जुलाई/ए० पी०-124/975—
यतः, मुझे, एच० एस० धूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 525-एल० भूमि का, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8647 फरवरी, 1973 में लिखा है, जो माइल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से प्रयुक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर अजीत सिंह सपुत्र श्री शिव सिंह, जालन्धर छावनी। (अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन कपूर मधुव श्री नत्थू शाह माफौत मसर्स ताडू शाह कपूर एण्ड सन्ज, नजदीक दुमरिया ब्रिज, जालन्धर नगर। (अन्तरिणी)

(3) जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति, को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8647 फरवरी, 1973 को, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

एच० एस० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 2-8-73

मोहर :

अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुल०/ए० पी०-121/73-74/974 यतः, मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० आधा हिस्सा दुकान नं० 52 में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8512 फरवरी 1973 को लिखा है, जो न्यू ग्रेन मार्केट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण में द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यावनियों, अर्थातः—

(1) श्री अमरीक सिंह और करतार सिंह पुत्र सरदार नंद सिंह गांव हजारा तहसील जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतो पत्नी श्री मैहगा सिंह, वासी पतारा, तहसील जालंधर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिशोध में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति जिसके घाटे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा हिस्सा दुकान नं० 52 में न्यू ग्रेन मार्केट जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8512 फरवरी, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर के कार्यालय में लिखा है ।

एच० एम० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 2-8-1973
मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ(1) की अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय
दिनांक 2-8-1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/जून/ ए०पी०-120/ 73-74/973

यतः, मुझे एच० एम० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मफान नं० 248 एल० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4512 मार्च, 1973 को लिखा है, जो माडल टाऊन, जमुनानगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मार्च, को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—:

(1) श्री बनारसी दास विनेक पुत्र श्री बुधा मल वासी माडल टाऊन 248-एल जमुनानगर ।

(2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गाम सुन्दर 248-एल० माडल टाऊन, जमुनानगर (अन्तरिती) ।

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 248 -एल० माडल टाउन जमुनानगर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4512 मार्च, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी में लिखा है।

एच० एस० धूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 2-8-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज

अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए० पी०-122/73-74/971—यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० आधा भाग दुकान नं० 52 में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8513 फरवरी 1973 को लिखा है, जो न्यू गेरेन मार्केट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करतार सिंह अमरीक सिंह पुत्र सरदार नंद सिंह गांव हजारा, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

- (2) श्री मेहंगा सिंह पुत्र श्री संता राम गांव पटारा तहसील जालन्धर ।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 50 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा भाग दुकान नं० 52, न्यू ग्रेज मार्केट जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8513 फरवरी 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

एच० एस० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 2 अगस्त 1973 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-119/73-74/969—
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 बंगला नं० 6 मकबूल रोड अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3164 फरवरी 1973 में लिखा है, जो मकबूल रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1973 को पुर्याचित सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चमन लाल सुपुत्र श्री गोवर्धन दास 6, मकबूल रोड, अमृतसर । (अन्तरक) ।

- (2) श्री सुरिन्द्र नाथ गुप्त श्री वैष्णो दास ग्रोड ओरियेंट फाऊन्डी, बटाला । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 बंगला नं० 6 मकदूल रोड अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3164 फरवरी 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में लिखा है ।

एच० एस० धूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख : 2 अगस्त 1973 ।

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 30 जुलाई 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-123/73-74/972—
यतः मुझे एच० एस० धूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह वि-
वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 50 आदर्श नगर जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8450 फरवरी, 1973 को लिखा है, जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1973 को पूर्वांचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धर्म सिंह पुत्र बसावा सिंह पुत्र सरदार जवाहर सिंह गांव अहमदपुर जिला कपूरथला । (अन्तरक)

- (2) श्री केवल सिंह, चनन सिंह, रणजीत सिंह, हरदेव सिंह
पुन धर्म सिंह गांव अहमदपुर जिला कपूरथला।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नम्बर 2 पर है। 229

(4) कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता है। 229

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 50 आदर्श नगर जालन्धर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8450 फरवरी 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

एच० एस० धरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक :

मोहर :

8—196GI/73

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन इलाका, आयकर, भवन, महर्षि कर्वे
मार्ग बम्बई-20

दिनांक 28 जुलाई 1973

निर्देश सं० अ० ई० 2/278/407/72-73—यतः मुझे, न० द० अन्जारिया नि० सं० आ० आई०-2 बम्बई—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० 306 (अंश) सं० सं० 307 (हि० सं०-1 (अंश) है, जो मुलुन्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री जयन्तीलाल मोहनलाल भुत्ता, 2. श्री नानीलाल मोहनलाल भुत्ता और 3. श्री निरंजन मोहनलाल भुत्ता, भुत्ता निवास नं० 2, किंगज सर्कल, बम्बई-19 (अन्तरक)

(2) 1. श्री देवजी शामजी पटेल और 2. श्री शामजी खिमजी पटेल, देरासरी भवन, माणकलाल इस्टेट, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह समान खानि टुकड़ा या भाग जो कि हमारे नक्शे में प्लॉट 'क्यू' दर्शाया गया है तथा बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिला में डा० राजेंद्रप्रसाद रोड के उत्तर की ओर मुलुन्ड (पश्चिम) में इरीपर स्थित है। अभी बृहत्तर बम्बई में माप से करीब 1138.60 वर्ग मीटर (1362 बर्गगज के समकक्ष) के तथा भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सर्वेक्षण सं० 306 (अंश) और सर्वेक्षण सं० 307 हिस्सा

सं० 1 (अंश) पंजीकृत किया गया है और नगरनिगम कर-वर निर्धारक और कलेक्टर के द्वारा 'टी' बार्ड नं० 2508 (2) विभाग के अन्तर्गत निर्धारित होता है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है पूर्व में या ओर बेचनेवालों की जायदाद, पश्चिम में या ओर मैसर्स गन्नीयल प्रा० लि० की जायदाद, उत्तर में या ओर बेचनेवालों की जायदाद प्लॉट सं० में और दक्षिण में या ओर दामजी लालजी पटेल एण्ड कं० की जायदाद प्लॉट सं० 'र' स्थित है।

नं० ६० अन्जारिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 28 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

दिनांक 3 अगस्त 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/608/72-73/एसीक्यू० (बी)—यतः, मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 13 (पुराना नं० 33) (सीमा 40 फीट पर 60 फीट) है, जो VII ब्लॉक, जयनगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम नागप्पा, नं० 16, VII ब्लॉक, 29 क्रास, जयनगर बंगलूर। (अन्तरक)
- (2) श्री पी० एल० नारायण रेड्डी, नं० 13, 29 क्रास, VII ब्लॉक, जयनगर बंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 13 (पुराना नं० 33) जो, VII ब्लॉक जयनगर, बंगलूर में स्थित है (सीमा 40 फीट पर 60 फीट)।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 3 अगस्त 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी०-34/73-74—यतः, मुझे, एस० बाबु सुब्रमन्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14/55-A प्लॉट नं० B-9 ब्लाक-3 है, जो उपर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूरब हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स युनायटेड आईल तथा जंतरल मिल्स, उप्पल, हैदराबाद-39 (अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मी आईल मिल्स, उप्पल, हैदराबाद-39 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईमारत तथा गोदाम, जिला परिषद के नं० 14/55-A, जो प्लॉट नं० B-9 और ब्लॉक नं० 3 पर निर्माण किया गया है

जो इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के जर्ने में जो उप्पल में है। जो 4-798 एकड़ है।

एस० बाल सुब्रमन्यम्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 6 अगस्त 1973

निर्देश सं० एसीक्यू० 23-3/19-8/73-74—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6/1058 है, जो गलेमंदी गोल शेरी, सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) अन्तरिती और (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सीताराम रामजीवन दालिया (अवयस्क)
सत्यनारायण सीताराम दालिया, ईषसकरंजी (अन्तरक)
- (2) मै० मदनलाल लक्ष्मीनिवास, मदनलाल रामदेव,
लक्ष्मीनिवास मोहनलाल, किशनलाल मोहनलाल,
हनुमानप्रसाद मोहनलाल, धनश्यामदास मदनलाल,
गुलाबिबाई मोहनलाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/1058 गलेमंदी गोल शरी, सुरत।

पी० एन० मिस्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन इलाका-2, आयकर भवन, महर्षि कर्वे मार्ग,
बम्बई-20,

दिनांक 3 अगस्त 1973

निर्देश सं० अ०ई०-2/271/387/72-73—यतः, मुझे, न० द० अन्वारिया, नि०स०आ०, अ०ई०-2, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० 54 (अंश), 63(अंश) और 70(अंश) है, जो साकी गांध में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चित्तरंजन चन्द्रभान शर्मा, प्रेम कुटीर, पवई, पो० आ० आई० आई० टी०, बम्बई-76 (अन्तरक)
- (2) श्री परताब खेमचन्दलाला शारदा, 32वां रास्ता बान्द्रा, बम्बई-50 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला की पवई एस्टेट में साकी गांव में पड़ा हुआ है तथा भूमि के प्लॉट विक्रयकर्ता की निजी योजना में माप के करीब 1388 वर्ग-मीटर (1660 वर्गगज के समकक्ष) है और भूमि भाग को के सर्वेक्षण क्रमांक 54(अंश) एवं 63(अंश) एवं 70 (अंश) धारण किए हुए है। तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—पूर्व में या ओर सी० बी० शर्मा की भूमि, पश्चिम में या

ओर 44 फिट निजी सड़क, उत्तर में या ओर भूमि का प्लॉट जो कि नरेन्द्र शिवलाल गुप्ता को उप-पट्टे पर देने के लिए सहमति दी जा चुकी है, तथा दक्षिण में या ओर कुछ अंश में वह भूमि जो कि मै० मोहम्मद अली मैकेनिकल वर्क्स को उप-पट्टे पर दी गई है एवं कुछ अंश में वह भूमि जो कि विशुत्त उप-विभाग बनाने के लिए नियत की गई है।

न० द० अन्जारिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 3 अगस्त 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 9 अगस्त 1973

निर्देश सं० 3001/73-74—यतः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 134, 138 और 139, शहर सर्वेवाट सं० 4, पोल्लासी मुनिसिपल गहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लासी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-2-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाता :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कै० नटराजन (अन्तरक)

(2) 1. श्री बी० पलनी अम्माल और 2. आर० मुत्तुसामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोल्लासी मुनिसिपल शहर में टाऊन सर्वे वाट सं० 134, 138 और 139 में 1.06 एकड़ और उनमें "श्री नटराजा रैस अनट आयील मिल" का भूकान और यन्त्र।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-1973

मोहर :

प्ररूप आई टी एन एत—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 27 जुलाई 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/42/72-73—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या S.C.F. 129, सैक्टर 28-D. है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट

नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलबन्त सिंह और साधो 1439, सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री सुखवीर सिंह एस० सी० एफ०, 129, सैक्टर 28-डी०, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान न० 129 सैक्टर 28-डी० चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27-7-1973
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 1 अगस्त 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/52/72-73—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या कोठी नं० 2, सैक्टर 4-A चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर के अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एल० गोसैन, पुत्र श्री शेखर शाही, द्वारा अन० अन० गोस्वामी, 15-लेयरज चैम्बर, सुप्रीम कोर्ट, नई दिल्ली । (अन्तरक)

- (2) (i) रघुवर्ण सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह,
(ii) श्री अमर प्रीत सिंह बालक पुत्र श्री
रघुवर्ण सिंह
(iii) श्री इन्दरप्रीत सिंह बालक पुत्र श्री
रघुवर्ण सिंह
(iv) श्रीमती मदनजीत कौर और
(v) श्रीमती गलबन्त कौर (पुत्रियां श्री बलबन्त सिंह)
(vi) श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह,

द्वारा जमींदारा कोपरेटिव, दुकान नं० 96 अनाज मण्डी,
श्री गंगानगर (राजस्थान) (अन्तरितियां)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 2, सैक्टर 4-ए०, चण्डीगढ़।

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 अगस्त 1973

मोहर :

9-196GI/73

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन इलाका, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई 1973

निर्देश सं० एच०एस०आर०/321/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन, खसरा नं० 1681/93 2-2जे० शीशन रोड है जो हिसार में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रिकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सत्ये देव पुत्र लाला सहदेव, हिसार, अब अडीशनल सिविल सरजिन बल्लाद सहार (यु० पी०) घर : मुख्तयार-खास, हरकृष्ण बास। (अन्तरक)

- (2) राजिन्द्र प्रसाद अब राजिन्द्र कुमार पुत्र राम धारा मल II श्री राधेश्याम द्वारा मं० राम धारी राज कुमार, कथ मण्डी, हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को, **प्राप्त** जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा, 1 कनाल और 16 मरले—खसरा नं० 1681/93/2-2 जो हिसार शीशन रोड, नजदीक कनाल रैस्ट हाऊस हिसार।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
दिनांक 31 जुलाई 73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वित्त मन्त्रालय कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 31 जुलाई, 1973

निर्देश सं० एच०एस०आर०/322/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन, खसरा नं० 1578/26, नजदीक जहान पुल, है जो हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जुगल कशोर पुत्र श्री सादो राम अग्रवाल, अन्दर तलकी गेट, हिसार, जनरल अटोरनी श्री महावीर प्रसाद पुत्र छजू राम प्रेम नगर, हिसार (अन्तरक)

- (2) श्री आत्म प्रसाद पुत्र श्री मुखी रोशन लाल, दुकान नं० 24, राज गुरु मारकिट, हिसार।

- (ii) श्री राम नारायण पुत्र श्री चन्द्र भान आर्य बाजार, हिसार।

- (iii) श्रीमती यश कुमारी पत्नी श्री धर्म श्रीर मुहल्ला डोगरन, गांधी चौक, हिसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 33

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिस में बाग 1341-3/4 वर्ग गज, खसरा न० 1579/26 मित इस्ट और 1579/28 मिन मोहरा नजदीक फूल, हिसार।

(जी० पी० सिंह)

तिथि : 31-7-1973

सक्षम अधिकारी

मोहर :

सहायक आय-कर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वण्डीगढ़

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्षों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 200) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 17 सितम्बर, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिक्वाप एवं अभिनदिवि

द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 1 अक्टूबर, 1973) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 3, 6, 7 और 21 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 1, 2, 4, 9, 11, 12, 15, 16, 19, 20 और 23 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 10 का पद अस्थायी है किन्तु उसके दोष कालीन आधार पर चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 5 और 8 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 13, 14, 17, 18 तथा 22 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 12 का एक एक पद अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 7 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 2 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 13 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा। क्रम-संख्या 79 का पद, क्रम-संख्या 17 के तीन पद, क्रम-संख्या 21 का एक पद और क्रम-संख्या 23 का रूसी भाषा वाला एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 10 का पद और क्रम-संख्या 23 का फ्रेंच भाषा वाला एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है, और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 19 के पद के लिए केवल महिला उम्मीदवार ही आवेदन करें।

1. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, रेडार संचार परियोजना कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय।
वेतन:—रु० 1100-50-1200-100-1500। आयु:—बरीयत: 45 वर्ष से कम। योग्यताएं: अनिवार्य:—(I) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत/इलेक्ट्रॉनिक/दूर-संचार इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स में द्वितीय श्रेणी की एम० एस०-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (II) पद्धति इंजीनियरी/अनुसंधान/अभिकल्पन तथा विकास/निरीक्षण

में छह वर्ष का अनुभव (जिसमें से 3 वर्ष का अनुभव दायित्वपूर्ण निदेशक की हैसियत से हो)।

2. एक मुख्य अनुदेशक (नाविक कला एवं नौचालन), मत्स्य प्रवर्तियों का केंद्रीय संस्थान, मद्रास एकक, कृषि मंत्रालय।
वेतन:—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा:—45 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(I) मेट (विदेश गामी) का सक्षमता प्रमाण-पत्र। (II) नाविक कला तथा नौचालन में अनुदेश देने का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

3. एक सहायक विकास अधिकारी, अखिल भारतीय हस्त-शिल्प बोर्ड, वाणिज्य मंत्रालय (विदेश व्यापार विभाग)। वेतन:—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० र० -35-950। आयु-सीमा:—40 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री। (ii) लघु उद्योग तथा हस्तशिल्प विकास से संबद्ध किसी सरकारी या निजी संगठन में दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिसमें लघु उद्योगों/हस्तशिल्प उत्पादन के विपणन का अनुभव और उत्पादन की स्थितियों की जानकारी सम्मिलित हो।

4. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय। वेतन:—रु० 350-25-500-40-590-द० र० -30-800-द० र० -30-830-35-900। आयु:—बरीयत: 30 वर्ष से कम। योग्यताएं: अनिवार्य:—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

5. एक सहायक इंजीनियर (यंत्र व्यवस्था), ट्रेक्टर प्रशिक्षण तथा परीक्षण केंद्र, बुदनी, कृषि मंत्रालय। वेतन:—रु० 350-25-500-30-590-द० र० -30-800-द० र० -30-830-35-900। आयु-सीमा:—35 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी/यंत्र प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) स्वचालित मापन एवं नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युत यंत्रों के संस्थापन, अंशशोधन (Calibration) तथा अनुरक्षण का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

6. मास्टरकी का एक निदेशक, गोआ, दमन और दियु, सरकार। वेतन:—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा:—45 वर्ष। योग्यताएं: अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्राणिविज्ञान में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) मास्टरकी विभाग में किसी दायित्वपूर्ण पद पर लगभग सात वर्ष का अनुभव। (iii) कुछ प्रशासनिक अनुभव।

7. तीन सहायक प्रबन्धक (परीवीक्षाधीन)/परिधान प्रविधिज्ञ, रक्षा मंत्रालय । वेतन:—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० -35-950 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालय या बोर्ड से विज्ञान में कम से कम इंटरमीडिएट परीक्षा या कैम्ब्रिज स्कूल "ए०" प्रमाण-पत्र या मैग्रे कालेज, अजमेर का उच्चतर डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता और साथ में (क) आयुध परिधान कारखाना, शाहजहांपुर से सिलाई और कटाई में अप्रेंटिसशिप कोर्स उत्तीर्ण किया हो और (ख) परिधान भंडारों का प्रचुर उत्पादन करने वाले किसी कारखाने या प्रतिष्ठान में किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 2 वर्ष का अनुभव हो । नोट:—आयुध परिधान कारखाने में पहले से ही सेवारत उम्मीदवारों के मामले में भारत में स्थित किसी सरकारी सिलाई संस्थान से सिलाई और कटाई में प्राप्त ऐसा डिप्लोमा जिसका पाठ्यक्रम 3 वर्ष का हो, उपर्युक्त (क) के स्थान पर स्वीकार किया जा सकता है ।

8. चार बरिष्ठ अनुसंधान सहायक (महिला), क्षेत्रीय गृह अर्थशास्त्रियों के कार्यालय, प्रसार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग । वेतन:—रु० 325-15-475-20-575 । आयु-सीमा:—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय से पोषाहार/गृह विज्ञान/खाद्य प्रौद्योगिकी में बी० एस०-सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) खाद्य तथा पोषाहार से संबंध कम से कम 3 वर्ष का अनुसंधान का या व्यावहारिक अनुभव ।

9. एक बरिष्ठ प्राविधिक सहायक (पशुधन), प्रसार निदेशालय, कृषि मंत्रालय । वेतन:—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से पशुपालन विज्ञान या पशुरोग विज्ञान या डेरी विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) पशु विकास परियोजना में कार्य करने तथा दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिताओं के संचालन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव ।

10. जहाजरानी का एक सहायक महानिदेशक, जहाजरानी महानिदेशालय, बम्बई, जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु:—35 और 50 वर्ष के बीच । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी कार्यालय या जहाजरानी कम्पनी या वाणिज्य फर्म में दायित्वपूर्ण पर्यवेक्षक की हैसियत से लगभग 7 वर्ष का अनुभव । (iii) जहाजरानी, वाणिज्यिक जहाजरानी, जहाजरानी में लागू होने वाले कार्य प्रबन्ध या कानून से संबंध अनुभव ।

11. एक सहायक न्यायालय परिसमापक (Liquidator) (विधि), वित्त मंत्रालय, बैंकिंग विभाग । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1150 । आयु-सीमा:—45 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य:—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में डिग्री/बैरिस्टर/एटला/अटार्नी-एटला । (ii) अधिवक्ता (मूल पक्ष) की हैसियत से या कलकत्ता या बम्बई उच्च न्यायालय में सालीसिटर की हैसियत से लगभग 7 वर्ष की प्रैक्टिस जिसमें कम्पनी कानून से सम्बद्ध मामलों और संयुक्त पूजीवाली तथा अन्य कम्पनियों के समापन तथा परिसमापन का विशेष अनुभव सम्मिलित हो ।

12. तीन सागत लेखा अधिकारी, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) । वेतन:—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा:—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान की काउंसिल द्वारा संप्रथित सदस्य रजिस्टर में नामांकन के लिए मान्य लेखाविधि योग्यता अथवा इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स, लंदन, अथवा भारतीय सागत एवं कार्य लेखाकार संस्थान, कलकत्ता की अंतिम परीक्षा । (ii) किसी सरकारी या औद्योगिक संगठन में सागत लेखा कार्य का लगभग 7 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिसमें से लगभग 5 वर्ष संबंध संगठन में दायित्वपूर्ण पद पर अथवा व्यावसायिक हैसियत से कार्य किया हो ।

13. भूगोल के दो आख्याता, राष्ट्रीय रक्षा एकेडेमी, खड़क-वासला, रक्षा मंत्रालय । वेतन:—रु० 400-40-800-50-950 तथा साथ में रु० 150/- प्रतिमास विशेष भत्ता । आयु-सीमा:—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य:—(i) उत्तम शैक्षिक वृत्त के साथ किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से भूगोल में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यताएं । (ii) लगभग 2 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान का अनुभव ।

14. गणित का एक आख्याता, राष्ट्रीय रक्षा एकेडेमी, खड़क-वासला, रक्षा मंत्रालय । वेतन:—रु० 400-40-800-50-950 तथा साथ में रु० 150/- प्रतिमास विशेष भत्ता । आयु-सीमा:—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :— उत्तम शैक्षिक वृत्त के साथ किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से गणित में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यताएं । (ii) लगभग 2 वर्ष का अध्यापन/अनुसंधान का अनुभव ।

15. दो अनुसंधान अधिकारी, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय । वेतन :—रु० 400-25-500-30-590-द० रो०-30-800- द० रो०-30-830-35-900 । आयु-सीमा:—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/गणित/लोक

प्रशासन/व्यावसायिक प्रबंध में "मास्टर" डिग्री या स्नातकोत्तर डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) कार्मिक प्रशासन या आर्थिक और सांख्यिकीय आंकड़ों के अन्वेषण और निर्वचन या कार्मिक प्रशासन में आयोजन और अनुसंधान या कार्य विश्लेषण या कार्य मूल्यांकन या स्थिति वर्गीकरण या प्रशिक्षण पद्धतियों और प्रविधियों में लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

16. एक सहायक निदेशक (सांख्यिकी), बिल्ली प्रशासन, बिल्ली । वेतन :—रु० 400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित/अर्थशास्त्र/वाणिज्य सांख्यिकी सहित) में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/सांख्यिकी के विषय के साथ डिग्री और किसी मान्यताप्राप्त सांख्यिकीय संस्थान से सांख्यिकी में दो वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा । (ii) सांख्यिकीय आंकड़ों के संग्रह, संकलन और निर्वचन से संबंधित सांख्यिकीय कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

17. पांच अध्येक्षक (सांख्यिकी), परिवार नियोजन विभाग और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय । वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो० -20-575 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/सांख्यिकी के विषय के साथ डिग्री और किसी मान्यताप्राप्त संस्था में 2 वर्ष का सांख्यिकी में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण । (ii) सांख्यिकीय कार्य का लगभग दो वर्ष का अनुभव जिसमें सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण तथा निर्वचन निहित हो ।

18. एक सहायक यातायात अधिकारी, अंतवशीय, जल परिवहन निदेशालय का क्षेत्रीय कार्यालय, पटना, जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 । आयु-सीमा 35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वरीयतः अर्थशास्त्र/सांख्यिकी/वाणिज्य के विषय सहित डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी विभाग/स्वायत्त निकाय/सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम या विख्यात निजी प्रतिष्ठान में यातायात तथा वाणिज्यिक परिवहन से संबंधित कम से कम 4 वर्ष का अनुभव ।

19. एक अधीक्षक, कन्याशाल-गृह, समाज कल्याण निदेशालय, बिल्ली, बिल्ली प्रशासन । वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सामाजिक विज्ञान के किसी विषय जैसे, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, मानवविज्ञान आदि में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) वरीयतः सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त किसी समाज सेवा या समाज कल्याण संस्था में दायित्वपूर्ण पद पर सामाजिक कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

20. एक मैट्रन, कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली । वेतन :—रु० 590-30-830-35-900 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । सरकारी कर्मचारियों तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) बी० एस-सी० नर्सिंग अथवा मैट्रिकुलेशन तथा साथ में वरिष्ठ सामान्य नर्सिंग एवं मिड-वाइफरी प्रमाण-पत्र तथा "ए०" ग्रेड नर्स एवं मिडवाइफ के रूप में पंजीकृत । (ii) किसी बड़े अस्पताल में कार्य करने का लगभग 10 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 5 वर्ष सहायक मैट्रन/प्रभारी सिस्टर/नर्सिंग सिस्टर की हैसियत से हों ।

21. दो आख्याता (वरिष्ठ वेतनमान), ललित कला, कला महाविद्यालय, नई दिल्ली, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली । वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से ललित कला में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष डिप्लोमा । (ii) ललित कला में लगभग 3 वर्ष का व्यावसायिक और/या अध्यापन का अनुभव ।

22. दो प्राविधिक सहायक, सचिवालय प्रशासन विभाग, गोआ, बमन और वियु सरकार । वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी या अर्द्ध-सरकारी संगठन या विख्यात प्रतिष्ठान में कार्य अध्ययन प्रविधियों या संगठन और पद्धतियों/विश्लेषणात्मक/सांख्यिकीय/परिचालन-अनुसंधान प्रविधियों के प्रयोग में लगभग एक वर्ष का अनुभव/प्रशिक्षण ।

23. तीन अनुवादक (रूसी, फ्रेंच तथा जर्मन भाषा में प्रत्येक के लिए एक), भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय । वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो० -20-575 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वरीयतः विज्ञान के विषय में डिग्री । (ii) रूसी/फ्रेंच/जर्मन भाषा का प्रकट ज्ञान ।

डी० आर० कोहली,
सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd August 1973

No. F.32/211/73-SCA(ii).—Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar, was granted earned leave for 5 days from 25th to 29th June, 1973 (both days inclusive) with permission to prefix vacation from 14-5-73 to 24-6-73 and suffix closed days for 30-6-73 and 1-7-73 respectively thereto. On the expiry of leave he resumed charge of his duties on the forenoon of 2nd July, 1973.

R. NARASIMHAN
Deputy Registrar

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th July 1973

No. A.12022/3/73-Admn.I.—The Union Public Service Commission are pleased to appoint Shri D. R. Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission to officiate as Secretary to the Commission with effect from the forenoon of 30th June, 1973, until further orders.

No. A.12022/3/73-Admn.I.—Consequent on Shri Rajendra Lal's services having been placed at the disposal of Ministry of Defence on completion of his tenure as Secretary, Union Public Service Commission, the Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri M. M. Thomas a permanent officer of the Selection Grade of CSS and officiating as Joint Secretary, Union Public Service Commission to officiate as Secretary of the Commission from 28-5-73 to 29-6-73.

2. On reversion from the post of Secretary, Union Public Service Commission, Shri Thomas continued to hold the post of Joint Secretary in the Union Public Service Commission from the forenoon of 30th June, 1973.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary
for Chairman.

New Delhi-110011, the 26th July 1973

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Kachru, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 8-6-1973 (AN) to 8-9-73 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Jolly, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 2 months from 18-6-73 to 17-8-73.

The 28th July 1973

No. A.32013/1/73-Admn.I.—Miss. S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A32013/1/73-Admn.I. dated 28th June, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 30th June, 1973.

2. On her reversion, Miss. S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 30th June, 1973.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—Shri M. S. Pruthi, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat

Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Selection Grade of the Service, vide this office Notification No. A32013/1/73-Admn.I. dated 6th July, 1973, relinquished charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 30th June, 1973.

2. On his reversion, Shri M. S. Pruthi, resumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 30th June, 1973.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—Shri N. S. Jain, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/73-Admn.I. dated 18th May, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 30th June, 1973.

2. On his reversion, Shri N. S. Jain, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 30th June, 1973.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the service, vide this office Notification No. A.32013/1/73-Admn.I. dated 28th June, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 7th July, 1973.

2. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 7th July, 1973.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary

New Delhi-110011, the 21st July 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated the 8th June, 1973, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period of 44 days from the 5th July, 1973 to the 17th August, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Sunder Lal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period of 44 days from the 5th July, 1973 to the 17th August, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 23rd July 1973

No. A.12025(ii)/2/72-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & Administrative Reforms) O.M.No. 5/59/72-CS(1) dated the 16th March, 1973, the President is pleased to appoint Shri B. S. Kardam, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Ministry of Agriculture (Department of Food), to officiate in the Section Officers' Grade of the Service in the same cadre with effect from 12th July, 1973, until further orders.

The 26th July 1973

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Verma a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 46 days with effect from 13-6-73 to 28-7-73.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to

officiate in Grade I of the Service for a period 40 days with effect from 2-6-73 to 17-7-73 or till a regular officer joins whichever is earlier.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Satkartaria a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 46 days with effect from 4-6-1973 to 19-7-1973 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Vij a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 49 days with effect from 13-6-1973 to 31-7-1973.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110001, the 27th July 1973

No. PF/S-8/70-AD.V.—Shri Subhas Chandra Patnaik, Dy. S.P., Orissa Police who was on deputation as Sr. P.P. in the Bhubaneswar Branch of C.B.I., expired on the forenoon of the 22nd July, 1973.

No. 7/16/71-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri K. Shouriah to officiate as Sr. P.P. in the SPE (CBI), GOW, Delhi Branch, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 10-7-1973, until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E), C.B.I.

New Delhi, the 28th July 1973

No. PF/B-124/73-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Binoy Bhusan Barman, an officer of West Bengal Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Branch at Calcutta in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 2nd July, 1973.

The 1st August 1973

No. PF/S-3/73-Ad.V.—Dy. I. G. of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Satendra Shankar Saxena as Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, G.O.W., Bombay with effect from the forenoon of the 13th July, 1973 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation
for Deputy Inspector General of Police/CBI

New Delhi, the 1st August 1973

No. PF/D-76/73-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. N. Ahuja, IPS (MP) as Dy. Inspector General of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the C.B.I. with effect from the forenoon of 23rd July, 1973, until further orders.

V. T. SHAH
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL (CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110001, the 23th July 1973

No. O.II-15/69-Estt.—Consequent on his repatriation to his parent State of U.P., Shri S. Tandon an IPS officer of U.P. cadre relinquished charge of the post of IGP, Sector-I, CRP Force, Hyderabad on the afternoon of 5th July, 1973.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

New Delhi-110003, the 31st July 1973

No. E-16013(2)/5/73-Ad.I.—On transfer on deputation, Shri ASHIT BARAN CHAUDHURI of West Bengal State Police Service, assumed the charge of the post of Commandant/Central Industrial Security Force, International Airport, Calcutta with effect from the Forenoon of 21st July, 1973.

No. E-18013(2)/11/73-Ad.I.—On transfer on deputation, Shri Raja Sreedharan, IPS (1957-M.P.), assumed the charge of the post of Commandant No. 7 Battalion, Central Industrial Security Force, Udyogmandal, Cochin with effect from the Forenoon of 29th June, 1973.

No. E-38013(3)28/73.—Shri N. C. Sood, Assistant Commandant No. 14 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st July, 1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 8 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at New Delhi with effect from the same date.

No. E-38013(3)/21/73-Ad.I.—Shri R. Seshadri, Assistant Commandant No. 7 Battalion, Central Industrial Security Force, MAPP, Kalpakkam relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 19th May, 1973 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 20 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Madras with effect from the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT (OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA)

New Delhi, the 28th July 1973

No. —Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint Shri Dal Chand, a Section Officer (Commercial) of the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Dehra Dun to officiate as Audit Officer (Comm.) and post him as such in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Ranchi, with effect from 12-7-1973 (F.N.), until further orders.

S. D. BHATTACHARYA
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR Ranchi, the 26th July 1973

No. OEI-Audo-891.—The Accountant General, has been pleased to promote Sri Satya Narain Prasad, a

substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from the forenoon of 4th May, 1973.

No. OEI-Audo-888.—The Accountant General has been pleased to promote Sri Ram Deo Narayan Sinha a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from the forenoon of 4th May, 1973.

N. P. HARJAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)
Bihar

MAHARASHTRA
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
Bombay-400020, the 19th December 1972

No. Admn.I/AD/5(115)/13.—The Accountant General has been pleased to accept the resignation of Shri L. S. Balasubramanian officiating Accounts officer with effect from 1-9-1971 consequent on his permanent absorption in the Mazagaon Dock Ltd., Bombay from the same date.

2. The President of India has been pleased to sanction the permanent absorption of Shri L. S. Balasubramanian in the Mazagaon Docks Ltd., Bombay with effect from 1-9-1971 as in Public interest on the terms and conditions laid down in Govt. of India, Min. of Finance, (Deptt. of Expdt.) letter no. S39020/20/71 EG I dt. 4-11-1972 (copy enclosed).

R. S. SHARMA
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
Ahmedabad, the 1973

No. —The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri L. A. Swaminathan, a permanent member of the Subordinate Accounts Service, to officiate as Accounts Officer in the Office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 5th day of May 1973 (F.N.) until further orders.

K. H. CHHAYA
Deputy Accountant General (Admn.)
Ahmedabad

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
JAMMU AND KASHMIR
Srinagar, the 25th July 1973

No. Admn-I/66(18)/72-73/1497.—Haji Sultan Mohamad, an Accounts Officer of the Office of the Accountant General Jammu and Kashmir retired from service with effect from 23-7-1973 (F.N.).

S. JAYARAMAN
Accountant General

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 27th July 1973

No. BNP/E/Spl/27.—The appointment of Shri R. A. Misra, Section Officer, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs as Junior Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 1st July, 1973 upto 30th September, 1973 (AN).

R. RAMASWAMY
Officer on Special Duty

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)
(OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION)

Jaipur-764003, the 26th July 1973

No. P.3/1.—On the recommendations of the Departmental promotion Committee Shri M. S. Ahluwalia who was appointed to officiate as Assistant Engineer on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 9-6-72 10—196GI/73

to 9-6-73 afternoon is promoted to the said post of Assistant Engineer in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Rehabilitation Reclamation Organisation on regular basis with effect from the forenoon of 10th June 1973 and kept on probation for a period of 2 years from the said date.

B. P. SAXENA
Administrative Officer
for Chief Mechanical Engineer

DEPARTMENT OF LABOUR & EMPLOYMENT
DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad, the 28th July 1973

No. 9(1)73-Adm.I/10031.—(1) On his transfer to Headquarters, Dhanbad, Shri S. N. Ramnathan, Director of Mines Safety, Southern Zone, Oorgaum, relinquished charge of his Office at Oorgaum on the afternoon of 21st January, 1972 and proceed on leave. After expiry of leave and availing of the joining time Shri Ramnathan, Director of Mines Safety assumed charge of the office of the Director of Mines Safety, Mines Development, Dhanbad on the forenoon of 19th July, 1972.

(2) On reversion from the Hindustan Copper Ltd. and after availing himself of the earned leave and joining time Shri B. M. Bhat, Director of Mines Safety assumed charge of the Office of the Director of Mines Safety at Eastern Zone, Sitarampur on the forenoon of 26th March, 1973.

(3) On his transfer to Sitarampur Region No. II, Shri H. K. Roy, Deputy Director of Mines Safety, relinquished charge of his office at Dhanbad Region No. II on the afternoon of 30th January, 1973 and assumed charge of his office at Sitarampur Region No. II on the forenoon of 7th February, 1973.

(4) On his transfer to Bellary Sub-Region, Shri P. Balasubramanian, Deputy Director of Mines Safety, relinquished charge of his office at Southern Zone (V. T.) Oorgaum on the afternoon of 24th August, 1972 and assumed charge of his office of the Deputy Director of Mines Safety, Bellary Sub-Region on the forenoon of 2nd September, 1972.

(5) On his transfer to Southern Zone, Oorgaum, Shri Y. Singh, Deputy Director of Mines Safety, Oorgaum Region after relinquishing charge of his office at Oorgaum Region assumed charge of the Office of the Deputy Director of Mines Safety, Southern Zone, Oorgaum (V.T. Section) on the afternoon of 31st August, 1972.

(6) On his transfer to Oorgaum Region, Shri S. N. Mitra Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Bellary Sub-Region on the forenoon of 31st August, 1972 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Oorgaum Region on the forenoon of 8th September, 1972.

(7) On his transfer to Dhanbad Region No. III, Shri P. C. Sheam, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Ranchi Region on the afternoon of 19th May, 1972 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. III on the afternoon of 22nd May, 1972.

(8) On his transfer to Dhanbad Region No. II, Shri S. N. Thakar, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of the Office of the Deputy Director of Mines Safety, Ghaziabad Sub-Region on the afternoon of 1st January, 1973 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. II on the forenoon of 12th January, 1973.

(9) On his transfer to Chaibasa Region, Shri Y. Gopal Krishna, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Goa Region on the afternoon of 14th November, 1972 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Chaibasa Region on the forenoon of 23rd November, 1972.

(10) On his transfer to Ghaziabad Sub-Region, Shri R. L. Arora, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Ajmer Region and assumed

charge of the Office of the Deputy Director of Mines Safety, Ghaziabad Sub-Region on the forenoon of 19th February, 1973.

(11) On his transfer to Ajmer Region, Shri N. L. Mehtani, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Sitarampur Region No. II on the afternoon of 25th January, 1973 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Ajmer Region, on the forenoon of 5th February, 1973.

(12) On his transfer to Sitarampur Electrical Circle Shri P. B. Pawar, Deputy Director of Mines Safety (Electrical) relinquished charge of his office at Dhanbad Electrical Circle on the afternoon of 3rd February, 1973 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety (Electrical) Sitarampur Electrical Circle on the forenoon of 7th February, 1973.

(13) On his transfer to Goa Region, Shri S. K. Mukherjee, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Chaibasa Region on the afternoon of 11th October, 1972 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Goa Region on the forenoon of 24th October, 1972.

(14) On his transfer to Dhanbad Region No. III, Shri J. P. Sharma, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Sitarampur Region No. II on the forenoon of 17th July, 1972 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. III on the forenoon of 24th July, 1972.

(15) On his transfer to Eastern Zone, Sitarampur, Shri S. P. Chakravorty, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Northern Zone (V.T.), Dhanbad on the afternoon of 28th February, 1973 and assumed charge of the Office of the Deputy Director of Mines Safety, Eastern Zone, Sitarampur on the forenoon of 9th March, 1973.

(16) On his transfer to Chaibasa Region, Shri R. S. Agarwal, Assistant Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Sitarampur Region No. III on the afternoon of 30th December, 1972 and assumed charge of the office of the Assistant Director of Mines Safety, Chaibasa Region on the forenoon of 9th January, 1973.

(17) On his transfer to Ranchi Region, Shri K. B. Mazumdar, Deputy Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Dhanbad Region No. III on the afternoon of 1st July, 1972 and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Ranchi Region on the forenoon of 10th July, 1972.

(18) On his transfer to Kodarma Region, Shri S. K. Samanta, Assistant Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Chaibasa Region on the afternoon of 29th March, 1973 and assumed charge of the office of the Assistant Director of Mines Safety, Kodarma Region on the afternoon of 4th April, 1973.

(19) On his transfer to Sitarampur Region No. III Shri Om Prakash, Assistant Director of Mines Safety relinquished charge of his office at Kodarma Region on the forenoon of 1st January, 1973 and assumed charge of the office of the Assistant Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III on the forenoon of 8th January, 1973.

H. B. GHOSE
Director-General of Mines Safety

MINISTRY OF COMMERCE
(OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS)
IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 27th July 1973

No. 6/24/58-Admn(G)/3093.—The President is pleased to allow Shri B. D. Bhattacharya, a permanent Officer of Grade I of the Central Secretariat Service, to officiate in the Selection Grade of the Service for a period of 3 months with effect from the 15th May, 1973.

2. The President is also pleased to appoint Shri B. D. Bhattacharya as Joint Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi for the aforesaid period.

S. G. BOSE MULLICK
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER
Calcutta, the 30th July 1973

No. Jute(A)/147/65-II.—Jute Commissioner hereby appoints Shri D. K. Dutta, Inspector as Assistant Director (Jute Technology) in an officiating capacity in the office of the Jute Commissioner, Calcutta with effect from the forenoon of 19th July, 1973 *vide* Shri P. C. Gupta transferred on deputation to the Jute Corporation of India Ltd., Calcutta until further orders.

N. K. ROY
Administrative Officer
for Jute Commissioner

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 1st August 1973

No. EST-I-2(606).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 6th July, 1973 and until further orders, Shri V. M. Bongale Superintendent in the Office of the Textile Commissioner, Bombay as Assistant Director, Grade-II (N.T.) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay.

B. N. BASU
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi, the July 1973

No. A-1/42 (40)(i).—The President is pleased to appoint the following officers of the Directorate General of Supplies & Disposals substantively in the permanent posts and with effect from the date mentioned against each of them :—

S.No.	Name of Officer	Officiating post held at present	Post in which confirmed	Date of confirmation
(1)	Shri J. S. Popli (Retired on 11-6-71 A.N.)	—	Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service)	10-8-1969
(2)	Shri M. N. Krishnamurthy (Retired on 28-8-71 A.N.)	—	—do—	2-2-1970
(3)	Shri O. M. Rohatgi	Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service)	—do—	25-10-1970

No. A-1/42(40) (ii). The President is pleased to decide that the dates of confirmation in the grade of Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) of the following officers be ante dated as follows :—

S.No.	Name of officer	Post held at present	Date from which already confirmed as Deputy Director	Revised date from which confirmed as Dy. Director
(1)	Shri S. N. Banerjee	Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service)	10-2-1969	31-1-1969
(2)	Shri M. Singh	—do—	22-5-1969	10-2-1969
(3)	Shri Ardaman Singh	—do—	10-8-1969	22-5-1969

The 31st July 1973

No. A-1/1(764).—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Assistant Director of Supplies (Grade I), Grade III of the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Director of Supplies Grade II of the Indian Supply Service in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 16th July, 1973 and until further orders.

T. V. ANANTANARAYANAN
Deputy Director (Administration)

(DEPTT. OF SUPPLY)

CORRIGENDUM

No.—In line 4 of this office Notification No. A-6/247(363)/62 dated 26-5-73, please read forenoon for afternoon.

VIDYA SAGAR
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Calcutta-13, the 1st August 1973

No. 2937B/2181(SRR)/19B.—Shri S. Raja Rao, M.Sc. is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th May, 1973.

No. 2933B/2181(SCP)/19B.—Dr. S. C. Pande, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India w.e.f. from the afternoon of 13-12-72, for joining his new appointment as Chemist in the Indian Bureau of Mines, Nagpur.

M. K. ROY CHOWDHURY
Director General

Nagpur, the 28th July 1973

No. A19011(139)/72-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th July, 1973 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-13, the 13th December 1972

No. 9-2/72/Estt.—Shri Himangshu Nag, Statistician, South India Station, Mysore is reverted to the post of Statistical Assistant at Headquarters, Calcutta, at his own request with effect from the forenoon of 27th November, 1972.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

CENTRAL REVENUE CONTROL LABORATORY

CHEMICAL ESTABLISHMENT

New Delhi-12, the 18th July 1973

No. 6/1973.—Shri A. H. M. Shand, Chemical Assistant Gr. I, Government Opium and Alkaloid Works, Ghazi-pur has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same factory with effect from the forenoon of the 2nd July, 1973 and until further orders.

The 25th July 1973

No. 11/1973.—On transfer Shri V. P. Pandey, Assistant Chemical Examiner, New Custom House Laboratory, Bombay assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 with effect from 10th July, 1973 (F.N.) against the vacancy caused by the appointment of Shri A. L. Mediratta, promoted as Chemical Examiner, Gr. II in Central Revenues Control Laboratory.

No. 12/1973.—On transfer Shri J. D. Mathur, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Madras assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, Delhi-12 with effect from 21st July, 1973 (F.N.) against the vacancy caused by the appointment of Shri N. P. Gupta promoted as Chemical Examiner Grade II, New Custom House Laboratory, Bombay.

No. 7/1973.—Shri S. C. Johri, Chemical Assistant Gr. I, Central Revenues Control Laboratory, Delhi-12, has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the same laboratory with effect from the forenoon of 11th July, 1973 and until further orders *vice* Km. Amarjit Hora, Assistant Chemical Examiner, deceased.

No. 8/1973.—On transfer Shri Ram Mohan Gupta, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Calcutta assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, Delhi-12 with effect from the afternoon of the 13th July, 1973 against the vacancy caused by the transfer and promotion of Shri L. C. Malik, Assistant Chemical Examiner to the post of Chemical Examiner Grade II.

V. S. RAMANATHAN
Chief Chemist, Central Revenues

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY*New Delhi, the 31st July 1973*

No. A.20011/7/71-Est.I.—On his reversion from the post of Exhibition Officer, at his own request, the Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint Shri B. K. Pal Chowdhuri as Senior Artist in this Directorate in a temporary capacity with effect from the 9th July, 1973, until further orders.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES*New Delhi, the 28th July 1973*

No. 10-9/71-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. B. R. Roy, Director, Central Forensic Science Laboratory, Calcutta as Director, Central Food Laboratory, Calcutta in an officiating capacity with effect from the 2nd July, 1973 and until further orders.

No. 11-2/73-Admn.I.—Consequent on his reversion to the post of Section Officer, Shri K. C. Misra relinquished charge of the post of Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 13th July, 1973.

R. N. SAXENA
Deputy Director Administration

New Delhi, the 25th July 1973

No. 1-89/73-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. A. S. Sahni relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the C. G. H. Scheme, New Delhi on the afternoon of the 9th July, 1973.

The 26th July 1973

No. 1-60/73-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. V. K. Sachdeva, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the C.G.H. Scheme, New Delhi, on the afternoon of the 31-5-1973.

No. 32-8/73-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. R. K. Bajaj relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the C.G.H. Scheme, New Delhi on the afternoon of the 9th March, 1973.

I. D. BAHL
Deputy Director (ADMN.I.) (CGHS)

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-85, the 13th July 1973

No. PA/73(5)/73-RIV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Manju Prasad to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the afternoon of March 31, 1973, for a period of one year.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION*New Delhi, the 28th July 1973*

No. A.12025/1/73-ES.—The President is pleased to appoint Shri K. Prabhakar Rao as an Aircraft Inspector with effect from the forenoon of 11-6-73 in an officiat-

ing capacity and until further orders and post him in the office of the Controller of Aeronautical Inspection, Bombay.

The 31st July 1973

No. A.12025/1/72-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri N. Chakraborty as Licensed Engineer (Class II-Gazetted) on a temporary basis with effect from 2nd July, 1973 (F.N.) and until further orders and post him at the Inspection Office, Begumpet.

S. EKAMABARAM
Dy. Director Administration

New Delhi, the 28th July 1973

No. A.32013/1/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Chandra, Technical Officer in the Civil Aviation Department as Senior Technical officer on a purely *ad hoc* basis in the office of the Controller of Communication, Calcutta, Region, Calcutta with effect from 30-6-73 (A/N) and until further orders.

The 31st July 1973

No. A.32013/4/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Govindaswamy, Assistant Director of Communication on an *ad hoc* basis to the grade of Deputy Director/Controller of Communication with effect from the 7th July, 1973 F.N. on a purely *ad hoc* basis and to post him as Controller of Communication, Bombay Region, Bombay.

No. A.32013/3/72-EC.—The President is pleased to appoint Shri I. P. K. Menon, Communication Officer as Senior Communication Officer on an *ad hoc* basis at Aeronautical Communication Station, Madras for a period not exceeding three months with effect from 10-7-73 (F/N).

S. EKAMBARAM
Dy. Director Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 28th July 1973

No. A-32013/7/72-EH.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Karnick, Deputy Director of Aeronautical Inspection to officiate as Regional Director at Calcutta with effect from 16th July 1973 (Forenoon) and until further orders.

No. A-32013/7/72-EH.—The President is pleased to appoint Shri K. S. M. Rao, Controller of Aeronautical Inspection Bangalore, to officiate as Regional Director at Madras with effect from 9th July 1973 (A.N.) and until further orders.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 30th July 1973

No. A.32014/3/71-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to promote Shri S. Shaikh Ibrahim, Aerodrome Assistant to the grade of Assistant Aerodrome Officer, in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-800, in an officiating capacity, on *ad hoc* basis, with effect from 5th July, 1973 and until further orders. Shri Ibrahim is posted at Madras Airport, Madras.

The 1st August 1973

No. A.32013/2/73-EA.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Prabhala, Assistant Electrical & Mechanical Officer to the grade of Electrical & Mechanical Officer, in the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 700-40-1100-50/2-1250, on *ad hoc*

basis, with effect from the 23rd July, 1973 and until further orders.

S. L. KHANDPUR
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi, the 27th July 1973

No. E(1)04194.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. L. Bhattacharya, Professional Assistant, Office of the Deputy Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fortyseven days with effect from the forenoon of 5-7-1973 to 20-8-1973.

Shri A. L. Bhattacharya, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 28th July 1973

No.1/254/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri F. Paaliath, Permanent Assistant Supervisor, Madras Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 7-4-1973 to 14-7-1973 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H.IV Faridabad, the 27th July 1973

No. 3-311/73-Estt.II.—Shri R. C. Bakshi is hereby appointed to officiate as Stores Officer G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Madras with effect from 23-6-1973 (Forenoon) on *ad hoc* and temporary basis.

The 2nd August 1973

No. 3-315/73-Estt.II.—Shri N. S. Nijjar is hereby appointed to officiate as Stores Officer G.C.S. Class II (Gazetted) in the Scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Ranchi with effect from 30-6-1973 forenoon on *ad hoc* and temporary basis.

D. PANDEY
Superintending Engineer

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 26th July 1973

No. 30/12/73-ECI.—The President is pleased to confirm Shri D. N. Bhargava, Assistant Executive Engineer (Civil) recruited as probationer to Central Engineering Service Class I in the Central Public Works Department, on the basis of Central Engineering Service Examination held in 1971 for officers released from Emergency Commission and Short Service Commission, in his appointment in the grade of Assistant Executive Engineer with effect from 28-2-1965.

V. P. SARVARIA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th June 1973

No. 1/17/69-Admn.IV.—Consequent on his attaining the age of superannuation, viz. 58 years, Shri D. G. Budhira a permanent Senior Architect, of this Department will retire from Government service with effect from the afternoon of 9th June, 1973.

B. P. PATHAK
Dy. Director of Administration
for Engineer-in-Chief

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Baroda, the 27th July 1973

No. 5 of 1973.—In pursuance of this office letter No. 1/13/72-Estt. dated 16-3-73, Shri B. S. Pal on his appointment as Hindi Officer in Baroda Collectorate assumed the charge in the F.N. of 12-7-73.

D. N. LAL
Collector
Central Excise, Baroda

Nagpur-440001, the 27th July 1973

No. 11/73.—Shri H. S. Verma, lately posted as Manager, Opium Factory, Neemuch in Narcotics Department assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Jabalpur in the afternoon of 4th July 1973.

No. 12/73.—On appointment as Assistant Collector, Shri Barjor Singh, lately posted as Superintendent, Class I (Vigilance), C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur assumed charge as Assistant Collector, (Valuation) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 16th June, 1973.

2. On appointment as Assistant Collector, Shri S. D. Khare, lately posted as Superintendent Class I (Tech.), C. Ex., I.D.O., Jabalpur assumed charge as Assistant Collector, Central Excise, I.D.O. Ujjain in the forenoon of 16th July 1973.

R. N. SHUKLA
Collector

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(WATER WING)

New Delhi-22, the 30th July 1973

No. A-19012/38/70-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission, is pleased to accept the resignation of Shri Y. Janakiramayya, Assistant Engineer, with effect from 2-5-1973.

The 1st August 1973

No. A-19012/366/72-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Chajju Ram Sharma, Librarian to Officiate as Chief Librarian in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of three months with effect from the forenoon of the 6th July, 1973 in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Water and Power Commission (Water Wing).

2. Shri Chajju Ram Sharma took over charge of the office of Chief Librarian in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

The 2nd August 1973

No. A-12017/1/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/70-Adm.V., dated 24-1-73, the Chairman, Central Water and Power Commission, appoints Sarvaswari D. D. Soni, and S. K. Choudhary to the post of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power

Research Station, Poona in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 on a purely temporary and *ad hoc* basis for the further period from 1-5-1973 to 31-7-1973 or till the Union Public Service Commission nominee joins, whichever is earlier.

The 4th August 1973

No. A.19012/335/72-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water and Power Commission, is pleased to appoint Shri A. V. S. Prasad to the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing), in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, with effect from the forenoon of 16-7-1973, until further orders.

2. Shri A. V. S. Prasad will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON
Under Secretary
for Chairman, C.W. & P. Commission

New Delhi, the 28th July 1973

CORRIGENDUM

No. 7/3/73-Adm.III.—Please read the date 3-7-1973 (F.N.) for 5-7-1973 (F.N.) appearing in the 5th line of the Commission's notification No. 7/3/73-Adm. III dated the 25th July, 1973.

M. L. NANDA
Under Secretary
for Chairman, C.W.&P. Commission

SOUTH EASTERN RAILWAY (GENERAL MANGER'S OFFICE)

Calcutta-43, the 24th July 1973

No. P/G/14D/2(1).—The following officiating Class II Officers of the Accounts Department are confirmed as Assistant Accounts Officer (Class II) in that Department of this Railway from the date noted against each :—

Name & Date of confirmation

1. Shri B. B. Saha—7th March 1972.
2. Shri P. R. Chakraborty—1st January 1973.

P. R. CHOPRA
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mayurbhanj Timber & Minerals Trading Company Private Ltd.

Bhubaneswar, the 24th July 1973

No. A.189/73-1061(A)(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mayurbhanj Timber & Minerals Trading Co. Pr. Ltd. has this day struck off the Register and the said company is dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Manusilpa Pratisthan Limited
Shillong, the 25th July 1973*

No. 1102/560.—Whereas Manusilpa Pratisthan Limited, having its registered office at Kailashar, Tripura is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting, and that the Statements of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Manusilpa Pratisthan Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

T. K. S. BISWAS
Registrar of Companies,
Assam, Tripura, Manipur, Nagaland,
Meghalaya, Arunachal Pradesh & Mizoram,
Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956, and of The Akhand Jyothi Press Private Limited

Madras-6, the 27th July 1973

No. 350/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of The Akhand Jyothi Press Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Madras Oils and Fertilisers Private Limited

(Section 445 of the Companies Act, 1956)

Madras-6, the 27th July 1973

No. 1522/C.Liq/73.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 28th July, 1972 passed in C.P. No. 9/1972 the company Madras Oils and Fertilisers Private Limited was wound up.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of The Sacred Literature Publishing Company Limited

Madras-6, the 31st July 1973

No. DN/5166/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies

Act 1956 that the name of The Sacred Literature Publishing Company Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. ANNAPURNA
Assistant Registrar of Companies
Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Associated Agents and Merchants Private Limited

Madras-6, the 28th July 1973

No. D.3692/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Associated Agents and Merchants Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Y. SATYANARAYANA
Assistant Registrar of Companies
Madras

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Modern Satgram Coal Company Private Limited

Patna, the 16th July 1973

No. 13(85)72-73/2082.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Modern Satgram Coal Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

DAULAT RAM
Registrar of Companies

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Bihar Plastics Private Limited
Patna, the 24th July 1973*

No. 19(784)72-73/2300.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Bihar Plastics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Presidency Type Foundry Private Limited
Patna, the 27th July 1973*

No. 3(510)73-74/2366.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Presidency Type Foundry Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Bihar, Patna

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Chimanlal Manchand & Co. Pvt. Limited
Bombay-2, the 25th July 1973*

No. 6211/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chimanlal Manchand & Co. Pvt. Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Swinas Steel Fabricators Pvt. Limited
Bombay-2, the 25th July 1973*

No. 15332/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Swinas Steel Fabricators Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Galvawire Industries Limited
Bombay-2, the 25th July 1973*

No. 12021/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the M/s. Galvawire Industries Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 20th July 1973

(INCOME-TAX)

No. 142.—The sub-charge hitherto known as "A(1) Ward, Allahabad" is hereby abolished.

2. This order shall come into force w.e.f. 1-8-1973.

No. 143.—The sub-charge hitherto known as "G Ward, Circle I, Varanasi" is hereby abolished.

2. This order shall come into force w.e.f. 1-8-1973.

E. K. LYALL
Commissioner of Income-tax
Lucknow

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 6th August 1973

Ref No. 150/72-73.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.—situated at Land measuring 4 acres and 45 cents in T.S. No. 338, Block No. 5, 1 acre and 12 cents in T.S. No. 340 and 3 acres and 86 cents in T.S. No. 340 in Palayankottai Village, Tirunelveli Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R.O. II, Madras on 7-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

1. T. S. Padmanabha Mudaliar and his two minor sons Bakthavatchalam and Sulochanan, 2. Vedagirdasan and 3. Murugesan, No. 1, Base Road of Thirukalukundram Hill, Chingleput Taluk. (Transferor)
2. T.E.S. Padhukurappani, T.E.S. Naina Mohammed, and T.E.S. Kamalutheen, 4-G, Sindhupundurai Salai Street, Thirunelveli-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land in T.S. No. 338 measuring 4 acres and 45 cents, Land in T.S. No. 340 measuring one acre and 12 cents and land in T.S. No. 340 measuring 3 acres and 86 cents in Ward No. 5, Town Survey Ward No. 6, Palayankottai Municipal Ward No. 3, Palayankottai Village.

Date : 6-8-1973.

Seal :

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

FORM ITNS— NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-
TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th August, 1973

Ref. No. F. 528/72-73.—Whereas, I, K. V. RAJAN being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.—situated at Survey No. 873/1, Uthamapuram Village measuring 4 acres and 40 cents, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kambam on 9-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Mohideeneer, 2. Sved Abuthahir, 3. Jainulapdeen, 4. Givavudeen, 5. Nooriahan Beevi, 6. Mehrunnisa Beevi, 7. Alibhathuma Beevi, Uthamapuram. (Transferor)
- (2) M Suruliveluchamy, S/o, Muthaiah Pillai, Kambam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons; within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land in Survey No. 873/1 measuring 4 acres and 40 cents in Uthamapuram Village.

Date : 6-8-1973.

Seal :

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

FORM ITNS— NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT
ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1973

Ref. No. F. 355/72-73.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the competent authority under Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 180, 182B, 183, 181, & 43 situated at Vijayapuram village, Uthukuli Town P.O. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Uthukuli on 1-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) V. N. Anguswami, S/o V. S. Nachimuthu Mudaliar, Dharapuram. (Transferor)
- (2) M. Karuppannan and Rangaswami, S/o Muthusamy Gounder, Thaneeswaranpalayam Vadugapalayam village, Erode taluk. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Lands admeasuring 15-20½ acres in Survey Nos. 180, 182B, 183, 181 & 43, Vijayapuri village, Uthukuli Town P.O.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 27-7-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1973

Ref. No. Sub-R/Raipur/28-2-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 348, Rakba 35,321 sq. ft. situated at Ward No. 108, Raipur-1 (M.P.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 17-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Gayader S/o Shri Sonaw, 2. Smt. Mangteen Late Shri Sonaw, 3. Smt. Gayawati D/o Shri Sonaw Shahu R/o Fafadih, Dist. Raipur (M.P.). (Transferor)
- (2) 1. Shri Dilip Kumar S/o Boval, 2. Shri Ramji Bhai S/o Shri Nathu Bhai Patel R/o Fafadih, Raipur (M.P.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 438, Rakba 35,321 sq. ft., Ward No. 108, Raipur-1 (M.P.).

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-7-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1973

Ref. No. Sub-Reg/Raipur/15-2-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of

the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 348, Rakba 26,052 Sq ft situated at Ward No. 108 Raipur-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 17-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (i) Shri Gayadin S/o Sonaw, (ii) Mangteen W/o Shri Sonaw, (iii) Gayabati D/o Sonaw Shahu R/o Fafadih, Raipur-1 (Transferor)
- (2) (i) Minor Shri Arjun Lal S/o Boval, (ii) Akhai Bhai S/o Lakku Bhai, (iii) Minor Shri Vadilal S/o Sonaw, (iv) Manilal S/o Pancha Bhai Patel R/o Fafadih, Raipur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 years from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 348, Rakba 26,052 sq. ft., Ward No. 108, Raipur-1.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-7-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1973

Ref. No. 526-Sub-R/Raipur/28-2-73.—Whereas, I, V. K. Sinha,, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 348 Rakba 24,726 sq ft situated at Ward No. 108, Raipur-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 17-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (i) Shri Gayaden S/o Sonaw, (ii) Mangteen W/o Sonaw, (iii) Gayabati D/o Sonaw Shahu R/o Fafadih Raipur-1. (Transferor)
- (2) (i) Minor Shri Manilal S/o Boval, (ii) Karsan Bhai S/o Bismar Bhai R/o Fafadih, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 348, Rakba 24,726 sq ft Ward No. 108 Raipur-1.

Date : 30-7-1973

Seal :

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Bhopal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1973

Ref. No. 532-Sub-R/Raipur/28-2-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 348, Rakba 25,544 sq ft situated at Ward No. 108, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on 17-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (i) Shri Gayaden S/o Sonaw, (ii) Mangteen W/o Sonaw, (iii) Gayabati D/o Snow Shahu R/o Fafadih, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Lalji Bhai S/o Bissram Bhai R/o Fafadih, Raipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 348, Rakba 25,544 sq ft, Ward No. 108 Fafadih, Raipur, (M.P.).

Date : 30-7-1973

Seal :

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st August 1973

Ref. No. Sub-R/Gwalior/15-2-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House at Jalim Singh Ka Bada, Dahi Mandi, Daulatganj Lashkar, Gwalior No. 31,521 situated at Lashkar Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gwalior (M.P.) on 1-2-1973 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Malti Devi Chhaged W/o Shri Sundermalji Chhaged Jain R/o Chitnir Ki Goath, Madhuganj, Lashkar, Gwalior-1. (Transferor)
- (2) Shri Jineshwardayal Jain S/o Shri Buddhilalji alias Babulalji Jain R/o Ma Pargana Gohad Dist. Bhind (M.P.). (Transferee)

*(3) Tenants as per sale deed, (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here—the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house situated at Jalim Singh Ka Bada, Dahi Mandi, Daulatganj Lashkar, Gwalior, N. No. 31.521.

East—Road of Corporation

West—House of Shri Kashinathji

North—House of Baldeva Cori

South—Part, house Bada Lakhmichandji Chhaged

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-8-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd August 1973

Ref. No. Sub-R/Bpl/15-2-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 9 at Vidya Vihar, Banganga, Bhopal City situated at Bhopal City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhopal on 13-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Nur Fatima Sheriff R/o E3/49, Arera Colony, Bhopal-6. (Transferor)
- (2) M/s Anandi Prakashan, 609, Katra, Allahabad. (U.P.). (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 9 at Vidya Vihar, Banganga, Bhopal City; measuring $\frac{112' \times 96'3"}{91' \times 103'}$

Date : 2-8-1973

Seal :

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOME-TAX ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 31st July 1973

Ref. No. III-30/Acq/73-74/624.—Whereas, I, the IAC of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Area 3.28 Acres situated at Gopalganj, Siwan (and more fully described in the Schedule annexed) herto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 10-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms

of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) M/s. Vishnu Sugar Mills P. Ltd., Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1. (Transferor)

(2) M/s. Vishnu Estates P. Ltd., 21, Chakra Beria Lane, Calcutta-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 3.28 Acres inside Factory boundary, Vill. Khejuriya. P.O. P.S. Subregistry, At. Gopalganj, Siwan.

Date : 31-7-1973

Seal :

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Patna.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOME-TAX ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 31st July 1973

Ref. No. III-29/Acq/73-74/623.—Whereas, I, the IAC of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil 14.26 Acres Land situated at Simultala,

Monghyr (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 21-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kanwar Singla, 138, Canning Street, Calcutta. (Transferor)
- (2) Shri Behari Yadav & Heman Yadav Siya Tanr, P.S. Jhajha, Dist. Monghyr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14.26 Acres of land with dilapidated bungalows and tiled huts in shables with well plover and flower plants known as Prince on Wels Nursery at Simultala, Monghyr (Bihar).

Date : 31-7-1973

Seal :

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Patna.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOME-TAX ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 31st July 1973

Ref. No. III-28/Acq/73-74/622.—Whereas, I, the IAC of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, Khata No. 45 etc. situated at Vill. Palandu, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Calcutta on 22-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahabir Prasad Jalan, Mukesh Jalan, 12, Burdwan Road, Calcutta. (Transferor)

- (2) Shri Sukhbir Pd. Jain, 16, A.D.L.F. Colony, Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Rayati Tea growing land measuring 8 Acres in Khewat No. 3, Khata No. 45, Plot No. 26/6 and 112/2 of Village Palandu No. 331 Thana Ranchi, Dist. Ranchi.

Date : 31-7-1973

Seal :

J. NATH,
*Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Patna.*

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOME-TAX ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 31st July 1973

Ref. No. III-27/Acq/73-74/621.—Whereas, I, the IAC of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K. No. 17, Khata No. 190 etc. situated at Barganwan, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Calcutta on 22-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Mahabir Pd. Jalan & Mukesh Jalan, 12, Burdwan Road, Calcutta-27. (Transferor)
- (2) Smt. Champa Debi W/o Sri Birendra Nath Merwar, Quarter No. K-1-192, Shaharpur, Sindri, Dhanbad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Rayati Tea growing land measuring 4.09 acres in Khewat No. 17, Khata No. 190, Plot No. 294/B of Vill. Barganwan, Thana No. 216, Ranchi.

Date : 31-7-1973

Seal :

J. NATH,
*Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Patna.*

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOME-TAX ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 31st July 1973

No. III-26/Acq/73-74/620.—Whereas, I, the IAC of Income-tax, Acquisition Range, Patna being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. No. 11128, P.S. No. 243, etc. situated at Ganipur, P. S. Sadar, Dt. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 12th February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ganesh Pd. Singh S/o Late Kishun Pd. Singh, Vill. Deogan Dharbara, P.S. Sadar, Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shri Thakur Pd. Singh, S/o Late Kishun Pd. Singh, Prof. R.D.S. College, Muzaffarpur. (Transferee)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T. No. 11128, P.S. No. 343, Khata No. 152, Khesra No. 153/57, H. No. 124 Circle No. 3A at Mahala Ganipur, P. S. Sadar, Dt. Muzaffarpur.

Date : 31-7-1973

Seal :

J. NATH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Patna.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCOME-TAX ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 31st July 1973

Ref. No. III/25/Acq/73-74/619.—Whereas, I, the IAC of Income-tax Acquisition Range Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K. No. 56, 56A, Plot No. 736 situated at Pakari, P.S. Arrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Arrah on 14-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Md. Arnayaji, S/o Mohammed Mayusar, At. Pakaripur, P.S. Arrah, Dt. Bhojpur. (Transferor)
- (2) Shri Gopaleshwar Singh S/o Bhagwan Sahay Singh, At. Siwadaypur, P.S. Tarai, Dt. Bhojpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Area 2 Kathas Khata No. 56, 56A, Plot No. 736, W. No. 12, Holding No. 375A, P.S. No. 236 At. Pakari, P.S. Arrah, Dt. Bhojpur.

Date : 31-7-1973

Seal :

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Patna.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th July 1973

Ref. No. CHD/42/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF-129, Sector 28-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- Shri Gulwant Singh and others, 1439, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferor)

- Shri Sukhbir Singh, SCF, 129, Sector 28-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 129, Sector 28-D, Chandigarh.

Date : 27-7-1973.

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 1st August 1973

Ref. No. CHD/52/72-73.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 2, Sector 4-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. L. Gosain, s/o Sh. Shanker Sahai, c/o Shri N. N. Goswami, 15-Lawyer's Chamber, Supreme Court, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rashbeg Singh s/o Sh. Labh Singh, (ii) Shri Amarpreet Singh, (Minor), (iii) Shri Inderpreet Singh (Minor) sons of Sh. Rashbeg Singh, (iv) Smt. Madanjit Kaur, (v) Smt. Gurwant Kaur, ds/o Shri Balwant Singh, (vi) Shri Narinder Singh s/o Shri Gurbachan Singh, c/o Zamindara Cooperative, Shop No. 96, Grain Market, Siri Ganga Nagar (Rajasthan). (Transferee).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 2, Sector 4-A, Chandigarh.

Date : 1-8-1973.

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

Ref. No. HSR/321/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Khasra No. 1681/93/2-2, Session Road, situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hissar in February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satya Dev, s/o L. Sahdev, resident of Hissar now Additional Civil Surgeon, Buland Shehar, (U.P.) through his Mukhtar-e-khas Har Kishan Dass. (Transferor)
- (2) Shri Rajinder Parshad alias Rajinder Kumar, (ii) Radhe Sham s/o Ram Dhari Mal C/o M/s Ram Dhari Raj Kumar Kath Mandi, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring one kanal & 16 marlas comprising in Khasra No. 1681/93/2-2 situated at Hissar on Session Road, Near Canal Rest House, Hissar.

Date : 31-7-1973.

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. HSR/322/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Khasra No. 1579/26, Near Jahaz Pul situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hissar in February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jugal Kishore, s/o Shri Shadi Ram Aggarwal resident of inside Talaqi Gate, Hissar through his General Attorney, Shri Mahabir Parshad, s/o Shri Chhaju Ram of Prem Nagar, Hissar.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Atam Parkash, s/o Shri Mukhi Roshan Lal, Shop No. 24, Raj Guru Market, Hissar.
(ii) Shri Ram Narain, s/o Shri Chander Bhan, Arya Bazar, Hissar.
(iii) Shrimati Ish Kumari, w/o Shri Dharam Bir, Mohalla Dogran Gandhi Chowk, Hissar.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land under garden measuring 1341½ sq. yards out of Khagra No. 1579/26-Min East and 1579/28-Min Nohra situated near Jahaz Pul, Hissar.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 31-7-1973

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. HSR/324/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 1579/26-min west, Near Jahaz Pul, situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hissar in February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naurang Rai, s/o Shri Lakh Ram Aggarwal, resident of V. & P.O. Budak, Tehsil and District Hissar.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Gobind Ram, s/o Shri Bhagwan Dass, Karyana Merchant, Bazar Gobindgarh, Hissar.

- (ii) Smt. Milapi Bai, widow of Ganja Mal, c/o Shri Lachhman Dass Bazaz, Arya Bazar, Hissar.
- (iii) Smt. Ishwar Devi, w/o Shri Notan Dass, Shop No. 18, Raj Guru Market, Hissar.
- (iv) Smt. Vidya Devi, w/o Shri Tilok Chand, Mohalla Ahiran, Hissar. (Arya Bazar, Hissar). (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1250 sq. yds. out of Khasra No. 1579/26-min west situated near Jahaz Pul, Hissar

Date : 31-7-1973

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. BGR/482/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. D-11, Opp. Nehru Garden, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur-

poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Krishna Devi, w/o Shri Sohan Lal, resident of Breh Niwas, Chander Nagar, Saharanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Ram Kirti, w/o Shri Brahma Nand, 3745, Gali Barna, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-11, Opposite Nehru Garden-A Faridabad.

Date : 31-7-1973

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. BGR/483/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 41 & 46-C, Block 'K', N.H. No. 2, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February, 73, for an

FORM ITNS—

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Krishna Devi, wd/o Shri Ram Chand Motwani, 1452-Lambi Gali Rang Mahal, Delhi 16.
(Transferor)
- (2) Shri Jetha Nand, s/o Shri Hala Ram, c/o M/s Union Hosiery House, 5305, Gandhi Market, Saddar Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 46-C and 41, Block 'K', Neighbourhood No. 2, N.I.T., Faridabad.

Date : 31-7-1973

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. BGR/484/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6, Fruit Garden Colony, NIT, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Gopal Chand, s/o Shri Devi Dass, 53/50, Ramjas Road, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Harish Chand Arora, s/o Shri Khivanda Ram Arora, 'G' Block, H.No. 206, Sector 3, NIT, Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Fruit Garden Colony, N.I.T., Faridabad.

Date : 31-7-1973

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. BGR/485/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 31-B, NIT, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Smt. Veena Vijay Kumar, w/o Shri Vijay Kumar,
46-A, Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Pincord Industries, 31-B, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31-B, NIT, Faridabad.

Date : 31-7-1973

Seal :

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. BGR/486/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 18, N. H. No. 3, NIT, Block 'B' situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) (i) Shri Krishan Lal Naurang s/o Dr. G. D. Naurang.
- (ii) Smt. Veena Naurang, w/o Shri Krishan Lal Naurang, Hugli River, Sakheport Commissioners office, 15-Sentrate Road, Calcutta-1, through Shri Gulshan Rai Naurang.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Hazari Lal s/o Shri Vasu Ram, 3-G/69, NIT, Faridabad.
- (ii) Shri Vas Dev Pahuja, s/o Shri Hema Ram, 3-G/69, NIT, Faridabad.
- (iii) Shri Tek Chand, s/o Shri Sukhu Ram, 3-G/34, NIT, Faridabad.
- (iv) Shri Subhash Chander, s/o Shri Khem Chand, 3-G/69, NIT, Faridabad.
- (v) Shri Habib, s/o Shri Munshi, 3-G/34, NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow Plot No. 18, Neighbourhood No. 3, Block 'B', NIT, Faridabad.

Date: 31-7-1973

Seal:

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 1st August 1973

No. BGR/487/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. House No. B-65, Rishi Nagar, situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sarita Abhichandani, wife of Shri Bhagwan Dass Abhichandani, Mohalla Dharampura, Bahadurgarh, District Rohtak.

(Transferor)

- (2) Smt. Sita Devi, w/o Shri Amar Nath, 17/273, Jawahar Nagar, Palwal, District Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-65, Rishi Nagar, Ballabgarh, District Gurgaon.

Date: 1-8-1973

Seal:

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. BGR/488/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, Sector 3, Block 'E', NIT, situated at Fardlabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Keval Krishan, (II) Shri Bhupesh Chander, ss/o Shri Kartar Chand, House No. X-B-2116, Gali No. 4, Multani Danda, Paharganj, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Kohli w/o Shri Chanan Lal, 3278-Ranjit Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Sector 3, Block 'E', NIT, Fardlabad.

Date : 31-7-1973

Seal :—

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

No. HSR/493/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House cum shop No. 64, situated at Uklana Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hissar in February 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by

the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Ganga Sahai, s/o Shri Raja Ram, (ii) Sh. Rameshwar Das, s/o Shri Ganga Bishan, (iii) Sh. Kishori Lal, s/o Shri Ganga Bishan, (iv) Sh. Sham Lal, s/o Shri Ganga Bishan, Village Nehla Tehsil Fatehabad District Hissar (v) Shri Chhabil Dass, (vi) Shri Paras Ram, (vii) Shri Ishwar Das, sons of Shri Ram Chander, Village Nehla, Tehsil Fatehabad, District Hissar.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Kailash Chand, s/o Shri Karori Mal, (ii) Shri Surish Kumar, s/o Shri Chhabil Dass, (iii) Shri Ramesh Kumar, s/o Shri Chhabil Dass, c/o M/s Karori Mal Chhabil Dass, Uklana Mandi, District Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House-cum-shop No. 64, Uklana Mandi, District Hissar.

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 31-7-1973

Seal :

13-196GI/73

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st July 1973

Ref. No. HSR/496/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Khasra, No. 1579/26-min west Near Jahaz Pul, situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hissar in February, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lila Dhar, s/o L. Naurang Rai, resident of V. and P.O. Burak, Tehsil and District Hissar (Transferor)
- (2) Smt. Tulsi Devi, w/o Shri Askaran Dass, c/o Manohar Cloth House, 64-Raj Guru Market Hissar, (ii) Shri Chetru Ram, s/o Shri Mukhi Jetha Nand, Mohalla Rajgarh, Gandhi Chowk, Hissar, (iii) Smt. Shanti Devi, w/o Shri Tek Chand, Mohalla Udepurian, c/o Romesh Kumar, Cloth Merchant, Moti Bazar, Hissar, (iv) Smt. Tirthan Devi, w/o Shri Niamta Ram, Near Jahaz Pul, Shop No. 38, Raj Guru Market, Hissar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the

acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land measuring 1250 sq. yard out of Khasra No. 1579/26-min west at Hissar, Near Jahaz Pul, Hissar.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Chandigarh,

Date : 31-7-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th July 1973

Ref. No. CHD/76/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2769, Sector 22-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in March, 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaspal Singh, s/o Shri Kehar Singh, resident of House No. 11-F/12, Sector 23-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh, son of Shri Lachhman Singh, (ii) Shri Raghbir Singh, s/o Shri Dewan Singh, House No. 3100, Section 22-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2769, Sector 22-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Chandigarh,

Date : 27-7-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 27th July 1973

Ref. No. CHD/109/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 2290, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Chandigarh in March, 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (d) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhdev Singh Aul, s/o S. Sher Singh, resident of Suit No. 42, 925-Bayly Street, Bay Ridges, Ontario, Canada through his General Attorney, Shri Ajit Singh, s/o Shri Sarwan Singh, House No. 136, Sector 8-A, Chandigarh, (Transferor).
- (2) Shri Munshi Ram s/o Shri Chaudhri Ram, Resident of Quarter No. 671, Sector 16-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2290, Sector 35-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 27-7-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 1st August 1973

Ref. No. BGR/217/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Banglow No. A-2, N.H. No. 5, NIT, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabhgarh in March, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Sabita Mota, w/o Shri Harde Nath, E-17-A, East of Kailash, New Delhi. (Transferor).
- (2) M/s Delhi Catholic Archdiocese Arch Bishop House, Alexandra Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. A-2, Neighbourhood No. 5, N.I.T., Faridabad.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Seal :

Date : 1-8-1973.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 1st August 1973

Ref. No. BGR/541/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Banglow No. A-2, N.H. No. 5, NIT, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in March 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 296C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri H. N. Mota, s/o Shri D. N. Mota, E-17-East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Delhi Catholic Archdiocese Arch Bishop House, Alexendra Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Banglow No. A-2, Neighbourhood No. 5, NIT, Faridabad.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 1-8-1973

Seal: _____

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 28th July 1973

No. AR-II/266/378/72-73.—Whereas, I Shri N. D. Anjaria, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 61, Hissa No. 1 (part) situated at Gavanpada, Mulund, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-

tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Bhiva Dharma Vaity & Shri Bhima Vaity, Navghar Village, Mulund (East) Bombay. (Transferors)
- (2) Mulund Neeikamal Co-op. Housing Society Ltd., S. No. 61, H. No. 1(Pt) Navgharpada Village, Mulund (East) Bombay. (Transferee)
- (3) Shri Bhagwan Damaji Vaity (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate at Gavanpada, Mulund admeasuring 1387 sq. yards i.e. 1155.83 sq. metres in the registration Sub-District, Bandra and District Bombay Suburban bearing Survey No. 61, Hissa No. 1 Part and bounded on North by Survey No. 362, and the South by Survey No. 61 Hissa No. 1 part, on the East by S. No. 61 and on the West by Plot No. 5.

N. D. ANJARIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 28-7-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR

BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 28th July 1973

No. AR-II/278/72-73.—Whereas, I. N. D. Anjaria, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acqui-

sition Range-II, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 306 (part) & S. No. 307, Hissa No. 1 (part) situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 15-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) S/Shri (1) Jayantilal Mohanlal Bhuta (2) Manilal Mohanlal Bhuta and (3) Niranjan Mohanlal Bhuta, Bhuta Niwas No. 2, King's Circle, Bombay-19. (Transferor)
- (2) Shri Devji Shamji Patel and Shri Shamji Khimji Patel, Darasari Bhawan, Maneklal Estate, Ghatkopar (West) Bombay-86.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land or ground bearing Plot 'Q' of layout situate lying and being off and on the Northern side of Dr. Rajendraprasad Road, Mulund (West) in the Registration sub District of Bandra formerly in the Bombay Suburban District now within Greater Bombay containing by admeasurement 1138.60 square metres or thereabouts (equivalent to 1362 square yards) and registered in the books of the Collector of land Revenue under Survey No. 306 (part) and Survey No. 307 Hissa No. 1 (part) and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'T' Ward No. 2508 (2) Division B and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the property of the Vendors, On or towards the West by the property of Messrs. Gabriel P. Ltd., on or towards the North by the property of the Vendors bearing Plot No. P and on or towards the South by the property belonging to Dhanji Lalji Patel and Company bearing Plot No. R.

N. D. ANJARIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 28th July, 1973.

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 30th July 1973

No. CR. 62/1041/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 3/21, Miller Tank Bund Road, Bangalore (I Floor of the building) situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 22-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11

of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Vedavathi,
(2) Sri Mallikarjun
No. 8, VIII Cross, Vasanthanagar, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Shri S. Lokesh, S/o G. A. Shanmugham, No. 4, Banswadi Road, Bangalore-5.
(Transferee)
- (3) M/s. Elgi Equipment (P) Ltd.,
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property, I Floor of No. 3/21 Miller Tank Bund Road, Bangalore.

B. MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 30-7-73

Seal

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27 the 30th July 1973

No. CR. 62/873/72-73/ACQ(B).—Whereas, I B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent

authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 3/21, Miller Tank Bund Road, Bangalore (Ground Floor) situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Shivajinagar, Bangalore on 19-2-1973 from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) (1) Smt. Vedayathi.
(2) Sri Mallikarjun
No. 8, VIII Cross, Vasanthanagar, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Shri S. Nagendran, Minor by Guardian, Sri G. A. Shanmughan, No. 4, Banaswadi Road, Bangalore-5.
(Transferee)
- (3) Sri B. Thilaka Hegde (Tenant) Advocate.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of House property No. 3/21, Miller Tank Bund Road, Bangalore.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 30-7-1973

Seal

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM- MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore, the 31st July 1973

No. CR.62/692/72.73/ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site, Municipal No. 4/B, B. P. Wadia Road, Basavanagudi, Bangalore-4, situated at Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore on 1-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Bringl Dev, 25/1, Grant Road, Bangalore-1.
(Transferor)
- (2) Shri Raghunandan Prasad Mittal, No. 35, Surveyor St., Basavanagudi, Bangalore-4.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site Municipal No. 4/B, B. P. Wadia Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

B. MADHAVAN

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 3-7-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bangalore, the 3rd August 1973

No. CR.62/1090/ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site 45'×75' numbered as 4A, B. P. Wadia Road, Bangalore-4, situated at Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore on 16-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. R. Nagaraja Rao, 25/1, Grant Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri J. T. Viswanathan, No. 8, Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 45'×75' numbered 4A, B. P. Wadia Road, Bangalore.

B. MADHAVAN

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 3-8-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Bangalore, the 31st July 1973

No. CR.62/693/72-73/ACQ(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of In-

come-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site No. 4/c, B. P. Wadia Road, Basavanagudi, Bangalore-4 (measuring 75'×50') situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore on 1-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri N. Ranthi Dev, No. 25/1, Grant Road, Bangalore-1.

(Transferor)

- (2) Shri V. K. Thyagarajan, No. 267, XI, Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site No. 4/c, B. P. Wadia Road, Basavanagudi, Bangalore-4. (Site measuring 75'×50')

B. MADHAVAN
Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 31-7-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE

Bangalore, the 3rd August 1973

No. CR. 62/608/72.73/ACQ(B).—Whereas, I, B. Badhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 13 and 33 situated at VII Block, Jayanagar, Bangalore (measuring 40'×60') situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 12-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri M. Nagappa, No. 16, VII Block, 29th Cross, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shri P. L. Narayana Reddy, No. 13, 29th Cross, VII Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 13 (old 33) situated at VII Block, Jayanagar, Bangalore (measuring 40'×60')

B. MADHAVAN

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore)

Date : 3-8-1973

Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE', HYDERABAD-500001.

Hyderabad-500001, the 2nd August 1973

No. R.A.C./34/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/55-A, Plot No. B-9, Block No. 3, Industrial Development Area, Uppal, Hyderabad-39, situated at Hyderabad-39 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad East on 15-2-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- United Oil & General Mills, Uppal, Hyderabad-39. (Transferor).
- Shri Lakshmi Oil Mills, Uppal, Hyderabad-39. (Transferee).
- Owner (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building & Godown bearing Zilla Parishad No. 14/55 A built on plot of land bearing Plot No. B9, Block No. 3 Industrial Development Area, Uppal, measuring 4-798 acres.

Date : 2-8-1973.

Seal :

S. BALASUBRAMANIAM,

*Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.*

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NAGPUR.

Nagpur, the 26th July 1973

No. —Whereas, I, S. S. Roy, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nazul sheet No. 46A Plot No. 180/38 at Rajapeth, Amravati (Maharashtra State) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 5-4-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manojkumar Tarachand Munot (minor)
Guardian Shri Tarachand Dhanraj Munot.
(Transferor).
- (2) Shri B. P. Lokhande and others.
(Transferee).
- (3) Shri B. P. Lokhande and others. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Nazul Sheet No. 46A/Plot No. 180/38 at Rajapeth, Amravati (Maharashtra State).

Date : 26-7-1973.

Seal :

S. S. ROY,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NAGPUR.

Nagpur, the 27th July 1973

No. —Whereas, I, S. S. Roy, being, the Competent Authority Under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Freehold plot of 5 acres bearing Khasra No. 107/568 on Chanda Mul Road, Near Machhi Nala, Chandrapur (Maharashtra State) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandrapur on 7-3-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Jai Rajshing Jang Bahadursing Thakur.
(Transferor).
- (2) (i) Shri Dinkar Vithalrao Dudhalkar. (ii) Shri Narayanrao Marotrao Swan. (iii) Shri Maniram Fakiraji Kamde. (iv) Shri Pandurang Jagannathrao Khoke. (v) Shri Prabhakar Madhaorao Pethkar.
(Transferee).
- (3) —do— (person in occupation of the property).

- (4) Shri/Smt./Kumari (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Freehold plot of 5 acres bearing Khasra No. 107/56B on Chanda Mul Road (behind State Bank Employees' Quarter.) near Machhi Nala, at Chandrapur, Maharashtra State.

S. S. ROY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 27-7-1973.

Seal :

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1973

No. 1SR/AP-123/73-74/972.—Whereas, I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 50, Adarsh Nagar, Jullundur as mentioned in the registered No. 8450 in February, 1973, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Singh s/o Basawa Singh s/o S. Jawahar Singh V. Ahmadpur, District Kapurthala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Kewal Singh, Chanan Singh, Ranjit Singh, Hardev Singh sons of Dharam Singh, V. Ahmadpur, District Kapurthala.

(Transferee)

- (3) Shri/Smt./Kumari As at Sl. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Shri/Smt./Kumari Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50 situated at Adarsh Nagar, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 8450 in February, 1973 of Sub Registrar, Jullundur

H. S. DHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-8-1973

Seal :

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1973

No. ASR/AP-119/73-74/969.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Banglow No. 6, Maqbool Road, Amritsar, as mentioned in the Registered Deed No. 3164 of February, 1973, situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Chaman Lal S/o Shri Goverdhan Dass 6, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Nath S/o Shri Vaishno Dass, Grand Orient Foundry, Batala.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Banglow No. 6, Maqbool Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3164 of February, 1973 of the Registering Officer, Amritsar

H. S. DHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-8-1973

Seal :

Form ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE I, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1973

No. IAC/Acq. B-1/CAL TR-408/C-132/CAL-1/72-73.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax

Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Danizen Lane, Calcutta-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at The Registrar of Assurances No. 5, Government Place, North Calcutta on 3-2-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Hafiz Mohammed Suleman.
(Transferor)
- (2) Shri Mohammed Hafizullah, Shri Ashfaq Ahmed, and Shri Mumtaz Ahmed.
(Transferee)
- (3) Persons in occupation of the Property.
- (3) Shri Haji Mohd. Hafizullah Sb., Haji Abdul Mannan, Shri Mohd. Mursalin, Mr. Abdul Ghani, M/s Nathu Bhai Odhavji & Co., Shri Mohd. Abdul Hai, Shri Ashraf Ali, Shri S. M. Mohiuddin, Shri Nisar Ahmed, Shri Haji Abdul Jabbar Sb., Shri Shaikh Md. Idris, Shri Nazir Ahmed Sb., Shri Abdul Razzaque, Shri Anwarul Hai Lari Sb., Shri Mohamed Shamim Iraqi, Shri Saghir Ahmed, Shri Mohd. Hasan, Shri Haji Munir Hasan Sb., Shri Mohd. Younus Sb., Shri M. A. Qadir, Shri Mohd. Yahaya Sb., Shri Sayed Bukht Chawdhury and Shri Mohd. Nooruddin Ansari.
- (4) Shri Seikh Mahammed Jan, Estate Private Ltd.
Person whom the undersigned knows to be interested in the Property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

That piece and parcel of property being premises No. 17 Damzen Lane, Calcutta-12 consisting of a five storied building built on a land comprising an area of 10 Cottahs 13 Chittaks more or less.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta

Date : 6-8-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 2nd August 1973

Ref. No. ASR/AP-118/73-74/970.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Banglow No. 6, Maqbool Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3765 of February 1973 situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Shri Goverdhan Dass, 6, Maqbool Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Sunita Rani w/o Shri Surinder Nath, Grand Foundry, Batala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Bungalow No. 6, Maqbool Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3165 of February, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

Date : 2-8-1973

Seal :

H. S. DHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 2nd August 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-125/73-74/976.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot (No. 525-R) as mentioned in the Registered Deed No. 8675 of February 1973 situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (4 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Maj. Ajit Singh s/o Shri Shiv Singh Jullundur Cantt. (Transferor)
- (2) Shri Krishan Kapur s/o Seth Nathu Shah, c/o M/s Nadu Shah Kapur & Sons, Near Dumaria Bridge, Jullundur City.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraphs shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8675 of February, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

Date : 2-8-1973.

Seal :

H. S. DHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 2nd August 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-124/975.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot (No. 525-L) of land as mentioned in the Registered Deed No. 8647 of February, 1973 situated at Model Town, Jullundur and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Maj. Ajit Singh s/o Shri Shiv Singh, Jullundur Cantt. (Transferor)
- (2) Sh. Mannohan Kapoor s/o Sh. Nathu Shah c/o M/s Nadu Shah Kapur & Sons, Near Dumaria Bridge, Jullundur City. (Transferee)
- (3) Shri/Smt/Km. As at S. No. 2 above (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Shri/Smt/Km. Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8647 of February, 1973 of the Registering Officer, Jullundur.

H. S. DHURIA,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-8-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 2nd August 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-21/73-74/974.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Half share in shop No. 52 as mentioned in the registered deed No. 8512 of February, 1973 situated at New Grain Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Amrik Singh and Kartar Singh sons of S. Nand Singh V. Hazara Tehsil Jullundur, (Transferor)
- (2) Smt. Prito w/o Shri Mahenga Singh r/o Patara, Tehsil Jullundur. (Transferee)
- (3) Shri/Smt/Km. As at Sl. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Shri/Smt/Km. Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a

of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in shop No. 52 in New Grain Market, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 8512 of February, 1973 of the Sub Registrar, Jullundur.

H. S. DHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-8-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 2nd August 1973

Ref. No. ASR/YN/AP-120/73-74/973.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 248-L as mentioned in the registered deed No. 4512 of March, 1973 situated at Model Town, Yamunanagar and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri, in March, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Banarsi Dass Vinaik s/o Shri Budha Mal r/o 248-L Model Town, Yamunanagar. (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Devi w/o Shri Sham Sunder 248-L Model Town, Yamunanagar. (Transferee).
- (3) Shri/Smt/Km. As at Sl. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Shri/Smt/Km. Any person interested in the property (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 248-L, Model Town, Yamunanagar, as mentioned in the registered deed No. 4512 of March, 1973 of the Sub Registrar, Jagadhri.

H. S. DHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-8-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD

Amritsar, the 2nd August 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-122/73-74/971.—Whereas I, H. S. Dhuria, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Half share in Shop No. 52, New Grain Market, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 8513 of February, 1973 situated at New Grain Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Kartar Singh, Amrit Singh sons of S. Nand Singh V. Hazara, Tehsil Jullundur. (Transferor)
- (2) Mehenga Singh s/o Shri Santa Ram V. Patara, Tehsil Jullundur. (Transferee)
- (3) Shri/Smt/Km As at Sl. No. 2 above (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Shri/Smt/Km. Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in shop No. 52 New Grain Market, Jullundur as mentioned in the registered deed No. 8513 in February, 1973 of the Sub Registrar, Jullundur.

H. S. DHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-8-1973.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1973

No. ACQ-23-42/19-8/72-73.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 183/2 situated at Rander Ta : Choras : Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15th February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ratilal J. & Sons, Partners—Vimantlal Ratilal Marfatia, Prakashchandra Vimantlal Marfatia (Transferor).
- (2) M/s. Satyanarayan Exhibitors, Partners—Devabhai Makanbhai Navik, Valiben Govindbhai, Lalben Laxmanbhai, (Minors) Pradipkumar Ratilal, Mukeshchandra Ratilal and Bhara'kumar Ratilal, Grd. Manjulaben Ratilal (Transferee)
- (3) Satish Chimanlal Shah (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice

against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sur. No. 183/2 3890 Sq. Yds. 1050 Sq. Yds. constructed.
Theatre--Rupalce, Rander, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6th August 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1973

No. ACQ-23-4/19-8/II/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/546 situated at Galemandi Moti Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23rd February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Harilal Dahyabhai, Babubhai Dahyabhai, Champaklal Dahyabhai (Transferor).
- (2) Hasmukhlal Samabhai, Shantaben alias Jayaben Hasmukhlal, Shantaben Sakerlal, (Minor) Harihar Sakerlal Grd, Hasmukhlal Somabhai (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6/546, Galemandi Moti Sheri, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7th August, 1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, 2ND FLOOR, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1973

No. ACQ-23-3/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/1058 situated at Gol Street, Galemandi, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12th February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sitaram Ramjivan Dalia (Minor) Satyanarayan Sitaram Dalia, Grd. Sitaram Ramjivan, Ichhalkaranji (Transferor).
- (2) M/s. Madanlal Laxminivas, Partners ; Madanlal Ramdev, Laxminivas Mohanlal, Kishanlal Mohanlal, Hanumanprasad Mohanlal, Ghanashyamdas Madanlal, Gulabibai Mohanlal (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6/1058 Galemandi Gol Street, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6th August 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 3rd August 1973

No. AR-II/271/38/72-73.—Whereas, I, N. D. Anjaria, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

54(pt) 63 (pt) and 70(pt) situated at village Saki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8th February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Chittaranjan Chandrabhan Sharma, Prem Kutir, Powai P.O. I.I.T., Bombay-76. (Transferor).
- (2) Shri Partab Khemchand Lala, 'Sharda', 32nd Road, Bandra, Bombay-50. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces or parcel of land or ground being plot of land in the private Scheme of the Vendor admeasuring 1388 square metres (1660 square yards) or thereabouts and bearing the land Lords Survey Nos. 54 (part) and 63 (part) and 70 (part) situate lying and being at Village Saki in Powai Estate in Greater Bombay in the registration Sub-District of Bandra district Bombay Suburban and bounded as follows that is to say : on or towards the East by land belonging to C. B. Sharma on or towards the West 44' wide private road on or towards the North by plot of land agreed to be given on sub-lease to Narendra Shivalal Gupta and on or towards the South partly by the lands sub-leased to M/s. Mohamedally

Mechanical Works and partly by the land provided for construction of electric sub section.

N. D. ANJARIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 3rd August 1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th August 1973

No. F. 3001/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the Competent Authority under Section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at T. S. Nos. 134, 138 and 139 in Town Survey Ward No. 4, Pollachi Municipal Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi on 24th February 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) K. Natarajan, S/o A. Kandasami Pillai, Pollachi. (Transferor).
- (2) V. Palaniammal, W/o V. Palanisami Gounder; and R. Muthusami, S/o Raja Gounder, Pollachi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Building and machinery of "Sri Nataraja Rice & Oil Mills" situated in an area of 1.06 acres bearing T. S. Nos. 134, 138 and 139 in Town Survey Ward No. 4, Pollachi Municipal Town.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 8th August 1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 33

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants excepts where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 × 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 17th September, 1973 (1st October, 1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 3, 6, 7 and 21 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 1, 2, 4, 9, 11, 12, 15, 16, 19, 20 and 23 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 10 temporary but likely to continue on long term basis. Posts at S. Nos. 5 and 8 tempo-

rary but likely to continue. Posts at S. Nos. 13, 14, 17, 18 and 22 temporary.

One post each at S. No. 12 reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. One post at S. No. 7 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. Post at S. No. 2 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved. One post at S. No. 13 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates. Post at S. No. 9, posts at S. No. 17, one post at S. No. 21 and one post in Russian Language at S. No. 23 reserved for Scheduled Castes candidates, who alone need apply. Post at S. No. 10 and one post in French Language at S. No. 23 reserved for Scheduled Tribes candidates, who alone need apply. For post at S. No. 19 only ladies candidates need apply.

1. *One Principal Scientific Officer, Radar Communication Project Office, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 1100—50—1200—100—1500. Age.—Preferably below 45 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Second Class Degree in Electrical/Electronics/Telecommunication Engineering from a recognised University or equivalent OR Second Class M.Sc. Degree in Electronics from a recognised University or equivalent. (ii) Six years (out of which 3 years should be in a responsible directing capacity) in Systems Engineering/Research/Design and Development/Inspection.

2. *One Chief Instructor (Seamanship & Navigation), Central Institute of Fisheries Operatives, Madras Unit, Ministry of Agriculture.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—45 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Certificate of Competency as Mate (Foreign Going). (ii) About 2 years' experience of imparting instructions in Seamanship and Navigation.

3. *One Assistant Development Officer, All India Handicrafts Board, Ministry of Commerce (Department of Foreign Trade).* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—40 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Degree of a recognised University. (ii) About 3 years practical experience in a responsible position in a Government or Private organisation connected with development of small scale industries, handicrafts including experience of marketing of products of small scale industries/handicrafts and familiarity with conditions of production.

4. *Two Junior Scientific Officers, Department of Defence Production, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age.—Preferably below 30 years. *Qualifications.—Essential.*—Second Class Degree in Civil Engineering or equivalent from a recognised University.

5. *One Assistant Engineer (Instrumentation), Tractor Training and Testing Station, Budni, Ministry of Agriculture.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Degree in Electronics Engineering/Instrument Technology from a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About 2 years' experience in the installation, calibration and maintenance of Electronic and Electrical Instruments for automatic measurements and controls.

6. *One Director of Fisheries, Government of Goa, Daman & Diu.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—45 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Master's Degree in Zoology of a recognised University or equivalent. (ii) About seven years' experience in a responsible position in a Fisheries Department. (iii) Some administrative experience.

7. *Three Assistant Managers (on probation)/Clothing Technicians, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—30 years. *Qualifications.—Essential.*—At least Intermediate Examination in Science of a University or Board approved by the Central Government or the Cambridge School "A" Certificate or the Higher Diploma of the Mayo College, Ajmer, or equivalent and in addition (a) Have passed the apprenticeship course in Tailoring and Cutting from Ordnance Clothing Factory, Shahjahanpur and (b) Have experience of not less than 2 years' in a responsible position in a Factory or Establishment engaged in mass production of Clothing Stores. Note :

In the case of candidates already in service, in an Ordnance Clothing Factory, a Diploma or Certificate in Tailoring and Cutting obtained from any Government Tailoring Institute in India which covers a course extending over a period of 3 years may be accepted in lieu of (a) above.

8. *Four Senior Research Assistants (Women), Offices of the Regional Home Economists Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture.* Pay.—Rs. 325—15—475—20—575. Age Limit.—30 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) B.Sc. degree in Nutrition/Home Science/Food Technology from a recognised University or equivalent. (ii) At least 3 years research or practical experience relating to food and nutrition.

9. *One Senior Technical Assistant (Livestock), Directorate of Extension, Ministry of Agriculture.* Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—30 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Degree in Animal Husbandry or Veterinary Science or Dairying of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience of working in Cattle Development Project and conducting milk yield competitions.

10. *One Assistant Director General of Shipping, Directorate Central of Shipping, Bombay, Ministry of Shipping & Transport.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age.—Between 35 and 50 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years' experience in a responsible supervisory capacity in a Government office or a Shipping Company or a Mercantile firm. (iii) Experience relating to Shipping, Commercial Shipping, Practices or Laws applicable to Shipping.

11. *One Assistant Court Liquidator (Law), Ministry of Finance, Department of Banking.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1150. Age Limit.—45 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Degree in law of a recognised University/Barrister-at-Law/Attorney-at-Law. (ii) About 7 years' practice as Advocate (Original side) or as Solicitor in the High Court of Calcutta or Bombay, including special experience in Company Law cases and of winding up and liquidation of Joint Stock and other companies.

12. *Three Cost Accounts Officers, Ministry of Finance (Department of Expenditure).* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—40 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Accountancy qualification recognised for enrolment in Register of Members maintained by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India or the Final Examination of the Institute of Costs & Works Accountants, London or Indian Institute of Cost & Works Accountants, Calcutta. (ii) About 7 years' practical experience in Cost Accounting in a Government or Industrial Organisation of which about 5 years should have been spent either in a position of responsibility within the Organisation or in a professional capacity.

13. *Two Lecturers in Geography, National Defence Academy, Kharakvasla, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 with Special Allowance of Rs. 150/- p.m. Age Limit.—35 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Good academic record with at least Second Class Master's degree in Geography from a recognised University/Institution or equivalent qualifications. (ii) About 2 years' teaching/Research experience.

14. *One Lecturer in Mathematics, National Defence Academy, Kharakvasla, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950 with Special Allowance of Rs. 150/- p.m. Age Limit.—35 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Good Academic record with at least Second Class Master's Degree in Mathematics from a recognised University/Institution or equivalent qualifications. (ii) About 2 years teaching/research experience.

15. *Two Research Officers, Department of Personnel and Administrative Reforms, Cabinet Secretariat.* Pay.—Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. *Qualifications.—Essential.*—(i) Master's degree or post-graduate Diploma in Economics/Statistics/Mathematics/Public Administration/Business Management from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years experience in Personnel Administration or in investigation and interpretation of economic and statistical data or planning and research in personnel administration or job analysis or job evaluation or position classification or training methods and techniques.

16. *One Assistant Director (Statistics), Delhi Administration, Delhi.*—Pay.—Rs. 400—450—30—600—35—670—EB 35—950.—Age Limit.—35 years.—Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Statistics or Mathematics/Economics/Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent Degree of a recognised University with Mathematics/Statistics as a subject, and two years post-graduate Diploma in Statistics from a recognised Statistical Institute. (ii) About 3 years' experience of Statistical work involving collection, compilation and interpretation of Statistical data.

17. *Five Investigators (Statistics), Department of Family Planning and Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Planning.*—Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575.—Age Limit.—30 years.—Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Statistics or Mathematics/Economics/Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent. Or Degree of a recognised University with Mathematics/Statistics as a subject and 2 years' post-graduate training in Statistics at a recognised Institution. (ii) About two years' experience of statistical work involving collection, analysis and interpretation of statistical data.

18. *One Assistant Traffic Officer in the Regional Office of the Inland Water Transport Directorate Patna, Ministry of Shipping and Transport.*—Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900.—Age Limit.—35 years.—Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University preferably with Economics/Statistics/Commerce as a subject or equivalent. (ii) At least 4 years experience relating to traffic and commercial transportation in a Government Department/Autonomous Bodies/Public Sector Undertaking or a Private concern of repute.

19. *One Superintendent, Children Home for Girls, Directorate of Social Welfare Delhi, Delhi Administration.*—Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575.—Age Limit.—35 years.—Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent in a Social Science subject, viz., Sociology, Economics Anthropology etc. (ii) About 3 years experience in Social Work in a responsible capacity preferably

in a Social Service or Social Welfare Institution recognised by Government.

20. *One Matron, Employees' State Insurance Hospital, Employees' State Insurance Corporation, New Delhi.*—Pay.—Rs. 590—30—830—35—900.—Age Limit.—45 years. Relaxable for Government servants and employees of Employees' State Insurance Corporation. Qualifications.—Essential.—(i) B.Sc., Nursing or Matriculation with Senior General Nursing and Midwifery Certificate and registered as Nurse 'A' Grade and Midwife. (ii) About 10 years' experience of working in a big hospital of which at least 5 years should be as Assistant Matron/Sister Incharge/Nursing Sister.

21. *Two Lecturers (Senior Scale), Fine Art, College of Art, New Delhi, Delhi Administration, Delhi.*—Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.—Age Limit.—35 years.—Qualifications.—Essential.—(i) At least Second Class Degree or equivalent Diploma in Fine Art from a recognised University/Institution. (ii) About 3 years professional and/or teaching experience in Fine Art.

22. *Two Technical Assistants, Secretariat Administration Department, Government of Goa, Daman and Diu.*—Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575.—Age Limit.—30 years.—Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About one year's experience/training in the application of work study techniques or organisation and Methods/Analytical/Statistical/Operational Research Techniques in a Government or semi-Government Organisation or a concern of repute.

23. *Three Translators (one each in Russian, French and German), Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines.*—Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575.—Age Limit.—30 years.—Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University, preferably in Science subjects. (ii) Sound knowledge of Russian/French/German language.

D. R. KOHLI, Secy.
Union Public Service Commission

